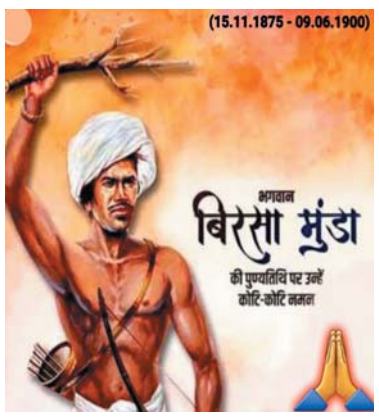

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 296/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 09 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने जननायक भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर उनके छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

निष्ठा और सेवाभाव के साथ 11 साल की हुई सरकार

देश की उम्मीदों को नए पंख दिए: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी का कहना है कि सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर आधारित नीतियों से आर्थिक विकास, सामाजिक उत्थान और सुशासन में उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। उज्ज्वला, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने जन-कल्याण में योगदान दिया है। बता दें मोदी सरकार के 9 जून यानी आज 11 साल पूरे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सरकार के तहत पिछले ग्यारह सालों में भारत में आए बदलाव पर प्रकाश डाला है। पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी के जरिए सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान देने से तमाम क्षेत्रों में तेजी से प्रगति हुई है। सबका साथ, सबका विकास, सबका

विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने गति, पैमाने और संवेदनशीलता के साथ महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी से संचालित, भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर, एनडीए सरकार ने गति, पैमाने और संवेदनशीलता के साथ पथप्रदर्शक परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा, आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, लोगों पर केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आज भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि क्लाईमेट एक्शन और डिजिटल इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है।

हमने लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए कोशिश की

पीएम मोदी ने कहा, बीते 11 वर्षों में हमारी सरकार की हर योजना के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ ही जन-जन का कल्याण सुनिश्चित करना रहा है। उज्ज्वला हो या पीएम आवास, आयुष्मान भारत हो या भारतीय जनऔषधि या फिर पीएम किसान सम्मान निधि, इन सभी योजनाओं ने देशवासियों की उम्मीदों को नए पंख दिए हैं। हमने इस दौरान पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया है।

11 सालों में कई सकारात्मक बदलाव आए

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले ग्यारह सालों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है। इस संदर्भ में पीएम मोदी ने नागरिकों को नमो ऐप के जरिए से इस परिवर्तनकारी यात्रा का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सरकार की उपलब्धियों को इंटरैक्टिव तरीके से प्रस्तुत करता है, जिसमें गेम, क्विज, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूप शामिल हैं जो जानकारी देते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो एप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का पता लगाने के लिए भी आमंत्रित किया।

भाजपा ने पीएम मोदी के प्रेरक जीवन, विचारों की मोदी कॉपी बांटी

इंदौर भाजपा ने धार जिले के आदिवासी अंचल के छोटे से गांव बकानखेड़ा में विद्यार्थियों को मोदी कॉपी वितरित की। वितरण के दौरान बताया गया कि यह कॉपी केवल एक लेखन सामग्री नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक जीवन, विचारों और शिक्षण दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है। मोदी कॉपी बांटने वाले बीजेपी के सह मीडिया प्रभारी दीपक टीनू जैन ने बताया कि ग्राम बकानखेड़ा के आयोजन में विद्यार्थियों को 'मोदी कॉपी' भेंट की और उन्हें इसके उद्देश्य और महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा और प्रेरणा के उद्देश्य से बनाई गई मोदी कॉपी का सतत वितरण गत 5 वर्षों से निरंतर जारी है।

जैन ने बताया कि यह कॉपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन से जुड़ी प्रेरक घटनाओं, 'मन की बात' और 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों के प्रमुख अंशों के साथ तैयार की गई है। इसमें विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास, समय अनुशासन और जीवन मूल्यों पर आधारित विचारों को सहज और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया है। कॉपी वितरण के दौरान विद्यार्थियों ने कहा कि उन्हें पहली बार किसी पुस्तक या कॉपी में प्रधानमंत्री के विचार पढ़ने को मिल रहे हैं। इससे उनमें पढ़ाई के साथ-साथ आत्म विकास का नया दृष्टिकोण विकसित हुआ है।

सांध्यप्रकाश विशेष

बहराइच में सीएम योगी के आने से पहले 500 किलो विस्फोटक बरामद बंगाल के 70 लोग गिरफ्तार

सिकंदरपुर/बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के हरदी इलाके के सिकंदरपुर गांव के पास 10 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्तौरा आने से पहले एक बड़ी सुरक्षात्मक चूक सामने आई है। जहां एक पेट्रोलियम कंपनी के नाम पर सर्वे का काम करते हुए लगभग 500 किलो अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक बरामद किया गया है। इस मामले में करीब 70 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

पेट्रोलियम कंपनी के नाम पर विस्फोटक बिछाने का आरोप- मिली जानकारी के मुताबिक, 3 दिन पहले पेट्रोलियम कंपनी के कर्मचारी तीन वाहनों से लगभग 200 लोग हरदी इलाके के विभिन्न गांवों में सर्वे के बहाने पहुंचे थे। जब ग्रामीणों ने उनसे पूछा तो उन्होंने भेड़िया खोजने की बात कही। लेकिन इसके बाद सधुवापुर, लखनापुर, बालासराय, औराही और सिकंदरपुर समेत 20 किलोमीटर के दायरे में बोरिंग कर उसमें विस्फोटक डाल दिया गया।

सूचना के बाद घंटों तक नहीं पहुंची मदद- ग्रामीणों को इस विस्फोटक कार्य के बारे में पता चला, तो वे बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए। उन्होंने महसी के विधायक सुरेश्वर सिंह को सूचित किया। विधायक और ग्रामीण पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना देने के लिए मौके पर पहुंचे, लेकिन घंटों तक कोई अधिकारी वहां नहीं पहुंचा। विधायक सुरेश्वर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से मात्र 36 घंटे पहले इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद होना किसी साजिश की ओर इशारा करता है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की गहन जांच की मांग की है।

पुष्पक एक्सप्रेस ट्रेन से गिरे यात्री, 8 की मौत

मुंबई। मुंबई से लखनऊ जा रही पुष्पक ट्रेन में हादसा हुआ है। ट्रेन से गिरकर 8 यात्रियों की मौत हो गई है। सेंट्रल रेलवे का कहना है कि यह हादसा दिवा-कोपर रेलवे स्टेशन के बीच हुआ। सेंट्रल रेलवे का कहना है कि कुछ यात्री सीएसएमटी की ओर यात्रा कर रहे थे कि तभी वह ठाणे के मुंबई रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिर गए। यात्रियों के गिरने की वजह अत्यधिक भीड़ बताई जा रही है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। मामले की जांच की जा रही है. इस घटना से स्थानीय सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्ष: सीएम मोहन यादव ने कहा -

ये भारत का स्वर्णिम काल, 2029 में फिर पीएम बनने की बात कही

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सीएम मोहन यादव ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री जी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति है। मैं मध्यप्रदेश सरकार की ओर से उन्हें बधाई देता हूँ तथा उम्मीद करता हूँ कि 2029 में भी मोदी जी ही देश का नेतृत्व करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में देश के विकास से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक अभूतपूर्व कार्य हुए है और ऑपरेशन सिंदूर इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने कहा 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। सेवा, सुशासन और गरीब-कल्याण के ये 11 साल विकसित भारत के संकल्प की मजबूत नींव हैं।'

सीएम मोहन यादव ने दी पीएम मोदी को बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें बधाई देते हुए इस कालखंड को भारत का स्वर्णिम काल करार दिया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने ऐसे कार्य किए हैं जो भूतो न भविष्यति की मिसाल हैं। चाहे देश की सुरक्षा व्यवस्था हो या विकास के नए प्रतिमान..हर क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं देते उम्मीद व्यक्त की कि 2029 में भी नरेंद्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनें।

प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया

सीएम मोहन यादव ने कहा कि इन 11 वर्षों में गरीब, किसान, महिला और युवा सहित हर वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आस्था से लेकर अर्थव्यवस्था, परंपरा से प्रौद्योगिकी, कृषि से उद्योग और नौकरी से स्टार्टअप तक हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन अधिनियम, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, तीन तलाक की समाप्ति, श्रीराम मंदिर निर्माण और त्र20 की सफल अध्यक्षता जैसे निर्णयों को 'हृड्डुल्ह्बश्ठु स्त्रद्बह्ल्ह्यह्ल' की भावना का प्रतीक बताया। सीएम यादव ने मध्यप्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ÷140 करोड़ भारतीयों का जीवन गरिमामय, आसान और समृद्ध बनाने के लिए हम आपके आभारी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज के रतनपुर भोपाल में बन रहे हनुमत धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस अवसर पर प्रकाशित पुस्तिका कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज- बाबा का हनुमत धाम का विमोचन भी किया।

भाजपा का संकल्प से सिद्धि तक अभियान आज से

भारतीय जनता पार्टी सोमवार से संकल्प से सिद्धि तक विशेष जनसंपर्क अभियान शुरू कर रही है। इस अभियान के माध्यम से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता देशभर में जाकर केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाएंगे। साथ ही, कांग्रेस शासन के दौरान हुई विफलताओं की भी जानकारी घर-घर दी जाएगी। इस अभियान के दौरान भाजपा मोर्चा और प्रकोष्ठों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है ताकि सरकार की योजनाएं और नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें। पार्टी स्तर पर रणनीति तय की गई है कि 10 और 11 जून को जिला स्तर पर प्रेस वार्ताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें मीडिया के माध्यम से लोगों तक सरकार की उपलब्धियों का संदेश जाएगा।

'मां वो मुझमे इंटरेस्ट नहीं ले रही हैं' राजा रघुवंशी की मां ने सोनम को लेकर किए कई चौकाने वाले खुलासे

इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के बाद उनकी पत्नी सोनम सोमवार, 9 जून को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मिलीं। मेघालय पुलिस का कहना है कि इस हत्या की साजिश खुद सोनम ने रची थी। हालांकि, हत्या के पीछे की असली वजह अभी तक उजागर नहीं हो सकी है। राजा की मां उमा रघुवंशी ने बताया कि जब रिश्ता तय हुआ, तब राजा ने एक बार घर में कहा था कि सोनम उसमें ज्यादा रुचि नहीं दिखा रही है। राजा रघुवंशी की मां ने बताया कि शादी के बाद सोनम 11 से 20 मई तक उनके घर पर रही। शिलॉन्ग यात्रा को लेकर पहले कोई चर्चा नहीं हुई थी। केवल सोनम ने घूमने की इच्छा जाहिर की थी, जिसे राजा ने पहले टाल दिया था। बाद में राजा ने कहा, ÷सोनम ने खुद ही टिकट बुक कर ली है, अब मैं क्या करूं?÷ यह सुनकर परिवार ने भी छह-सात दिन की ट्रिप मानकर उन्हें जाने की इजाजत दे दी। शिलॉन्ग रवाना होने से एक दिन पहले दोनों शॉपिंग पर गए थे, लेकिन खास बात ये रही कि सोनम ने सिर्फ जाने का टिकट करवाया था, वापसी की कोई टिकट नहीं ली गई थी।

सोनम और प्रेमी राज ने मिलकर साजिश रची... - पेज 8 पर देखें

एमपी में पारा 44 डिग्री पार, कल से लू चलेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में सोमवार को आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत बाकी जिलों में गर्मी का असर रहेगा। 10 और 11 जून को ग्वालियर-चंबल संभाग में हीट वेव यानी, लू चलने का अनुमान है। इससे पहले रविवार को प्रदेश में दिन का तापमान ?44 डिग्री पार पहुंच गया, जबकि 21 शहर ऐसे रहे, जब तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। नौतपा के बाद सूरज के तेवर तीखे हो रहे हैं। पिछले 2 दिन से प्रदेश के कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। अगले 4 दिन यानी, 12 जून तक आंधी, बारिश और गरज-चमक के साथ गर्मी वाला मौसम भी रहने की संभावना है।

सीएम आज गाडरवारा में करेंगे 80 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 जून को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में एक भव्य आयोजन में 80 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री 56 करोड़ 58 लाख रुपये के 67 कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख रुपये के 68 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। सीएम जल जीवन मिशन के अंतर्गत 396 लाख रुपये की लागत से देवरी से बनवारी पिपरिया तक 8.27 किमी सड़क, साईंखेड़ा में सीवरेज मलजल योजना तथा पुस्तकालय एवं प्रतीक्षालय जैसे शहरी विकास से जुड़े कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। जिले में सामुदायिक भवन, अमृत सरोवर 2.0, आंगनवाड़ी भवनों और अन्य बुनियादी संरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, शिक्षकों और विकास कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभागीय कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करेंगे।

70,000 Cr+ UPI ट्रांजैक्शन डेली! कुछ ऐसा रहा पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल में डिजिटल इंडिया का सफर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को आज पूरे 11 साल हो चुके हैं. वहीं मोदी 3.0 को आज एक साल हो गया है. बीते साल 4 जून को चुनाव के नतीजे आए थे और 9 जून को नरेंद्र मोदी तीसरी बाद देश के प्रधानमंत्री बने थे. इस मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोमवार को पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल में डिजिटल इंडिया के सफर के बारे बताया है कि कैसे भारत यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) जैसी विश्वस्तरीय डिजिटल पहलों के साथ कैशलेस क्रांति को अपना रहा है।

1 दिन में 70,000 करोड़ से ज्यादा UPI ट्रांजैक्शन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक शानदार यात्रा का अनुभव किया. भारत कैशलेस क्रांति को अपना रहा है. हर दिन 70,000 करोड़ रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन और एक दिन में 59.6 करोड़ लेनदेन के साथ डिजिटल पेमेंट्स अब मानक बन गए हैं।

मई में 18.68 बिलियन ट्रांजैक्शन का रिकॉर्ड

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने आगे कहा कि आम नागरिक के जीवन को आसान बनाने से लेकर कारोबारी आत्मविश्वास को बढ़ाने तक, यह रियल और विजिबल चेंज का एक दशक रहा है. भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि क्लाइमेट एक्शन और डिजिटल इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक भागीदार भी है.यूपीआई ने इस वर्ष मई में 18.68 बिलियन ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड कर मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो अप्रैल में 17.89 बिलियन थे.

मई में एवरेज डेली ट्रांजैक्शन की मात्रा 602 मिलियन रही, जबकि एवरेज डेली ट्रांजैक्शन अमाउंट 81,106 करोड़ रुपए तक पहुंच गया. यूपीआई ने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में अपना प्रभुत्व मजबूत किया है और कुल ट्रांजैक्शन की मात्रा में इसकी हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष के 79.7 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 83.7 प्रतिशत हो गई है. आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट से पता चलता है कि यूपीआई ने 2024-25 के दौरान 185.8 बिलियन ट्रांजैक्शन की सुविधा प्रदान की, जो सालाना 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. मूल्य के संदर्भ में, यूपीआई ट्रांजैक्शन वित्त वर्ष 24 में 200 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपए हो गया।

भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 6 के बाहर अल्पना तिराहे पर नाले की समस्या है। बारिश में यहां जलभराव की स्थिति बनती है जिससे लाखों यात्री और रहवासी परेशान होते हैं। इस समस्या के निदान के लिए आज भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा, डीआरएम भोपाल देवाशीष त्रिपाठी, नगर निगम कमिश्नर हरेन्द्र नारायण, सीनियर डीईएन ऋतुराज शर्मा सहित पीडब्ल्यूडी और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया एवं चर्चा उपरांत तय किया कि नगर निगम नाला बनाएगा और रेलवे इसका खर्चा वहन करेगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दस दिवसीय योग समावेश का हुआ शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है आरोग्य केन्द्र में योग समावेश का भव्य शुभारम्भ किया गया। इस वर्ष योग दिवस को विशेष रूप से मिनिस्ट्री ऑफ़ आयुष एवं सेंट्रल कौंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी की एक पहल के अंतर्गत एकक पृथ्वी एक स्वास्थ योग थीम के रूप में मनाया जा रहा है। जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव का एक हिस्सा है। यह कार्यक्रम संरचित मानसिक स्वास्थ्य प्रोटोकॉल को शामिल करते हुए प्रतिभागियों को परिवर्तनकारी स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आयोजन की अवधि 6 जून से 15 जून है जो कि पांच निर्दिष्ट केंद्रों पर कराया जा रहा है, ताकि अधिकतम लोग इसमें शामिल हो सकें। 15 जून को आरोग्य केन्द्र योग और स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित किया जाएगा जो 10 दिवसीय योग समावेश कार्यक्रम का अंतिम सत्र होगा। देशभर से प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता इस संगोष्ठी में भाग लेंगे। जहां वे योग के लाभों, विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डालेंगे। वर्तमान समय में टाइप 2 डायबिटीज, ब्रोंकियल अस्थमा और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को लेकर इस संगोष्ठी में चर्चा की जाएगी कि योग के माध्यम से इनका प्रबंधन कैसे किया जा सकता है।

स्व. सेठ चेतनदास पारदासानी की 23वीं पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में वरिष्ठ समाजसेवी पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष एवं हरि चेतन आश्रम के संस्थापक स्व. सेठ चेतनदास पारदासानी की 23वीं पुण्यतिथि पूर्ण गरिमा के साथ श्रद्धा से मनाई गई।

आरंभ में स्व. पारदासानी के चित्र पर उपस्थित गणमान्य नागरिको व सदस्यों ने मालार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पंचायत सभाग्रह में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष माधू चांदवानी ने स्व. चेतनदास की सेवाओं को प्रेरणादायी बताया। पारदासानी की हर क्षेत्र मे तमाम उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्हे निःस्वार्थ सेवाओं का जुनून बताया जिसमें हरिचेतन आश्रम का निर्माण पंचायत के फैसला बोर्ड एवं विकास में भरपूर सहयोग के साथ अनेक सामाजिक संस्थाओं एवं पारिवारिक समस्याओं के समाधान में जो सेवाएं दी है। उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। पार्षद अशोक मारण ने कहा कि स्व. चेतनदास पारदासानी की निःस्वार्थ समाज सेवा हर समाज सेवी को प्रेरणा देता रहेगा फलस्वरुप उनके मार्ग पर चलकर सेवा करना हो अपना जीवन सार्थक करना है।

जीने का अर्थ - दूसरों के लिए जीना

हमारे पास जो कुछ भी है वह सदैव साथ नहीं रहने वाला। किसी दिन तो सब कुछ हाथ से फिसलने ही वाला है। ऐसे में क्या हमें बहुत ज्यादा संचय करने की आवश्यकता है ? क्यों न थोड़ा थोड़ा देते रहें ? लक्ष्मी चंचला है और इसका कोई भरोसा नहीं कब किधर चल पड़े। अतः उसका सदुपयोग कर लें। महात्मा योग वशिष्ठ जी कहते हैं कि ÷जिसके जीने से बहुत से प्राणी जीते हैं, वही वास्तव में जीवित है।÷ अर्थात आपके जीवन की सार्थकता इसी में है कि आप कितने लोगों के काम आ सकते हैं।

डॉ. शिल्पा कोठारी को फिलॉस्फी में पीएचडी अवॉर्ड

भोपाल। डॉ. शिल्पा कोठारी पत्नी हसमुख कोठारी को फिलॉस्फी में पीएचडी अवार्ड प्राप्त हुआ है। उन्होंने अपनी पीएचडी फिलॉस्फी के विषय महिलाओं के एंटरपनर स्किल डेवलेपमेंट इंडस्ट्रीज के विषय में करी है। इसमें उनके सहायक प्रोफेसर एन के श्रीवास्तव की विशेष भूमिका रही।

अग्रवंश प्रतिभा सम्मान समारोह 22 जून को

भोपाल। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा इस वर्ष भी अग्रवंश प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने बताया कि 22 जून 2025 को हिन्दी भवन पॉलीटेक्निक चैराहा में अग्रवंश प्रतिमा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं सत्र 2025 में किसी भी बोर्ड से 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन होनहार बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। अभी तक लगभग 120 बच्चों के आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। बच्चें 10 जून के पूर्व अपनी पासपोर्ट फोटो एवं अंकसूची मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा की बेवसाइट agrmpw®wz@gmail.com में भेज सकते है। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रातीय महामंत्री मुकेश गोयल एवं मीडिया प्रभारी विनीत अग्रवाल ने कहा कि समारोह आयोजित होने से बच्चों खुशी का माहौल है। समारोह में समाज के अनेक अतिथिगण एवं वरिष्ठजनों को भी आमंत्रित किया गया है। जिनके मार्गदर्शन एवं सुझाव से समाज में उर्जा का संचार एवं बच्चों को भविष्य निर्माण में मार्गदर्शन मिलेगा।

भोपाल। कोलार रोड राजवेद राजहर्ष युवा ग्रुप एकता पार्क द्वारा तेज हवा और आंधी में गिरे पेड़ों की छटाई कर इससे निकली एक ट्रैक्टर ट्रॉली जलाऊ लकड़ी मुक्तिधाम को सौंप दी गई। इस कार्य में ग्रुप के राजू पाटकर, ललित गौर, बजरंग भगत, भोजराज मगरदे, एसएस कंथेले,पवन सैनी, धीरज कवाड़े, अशोक पटेल शामिल रहे।

साई संजय देव मसंद के सान्निध्य में 51 बच्चों का हुआ जनेऊ संस्कार

संत हिरदाराम नगर। साधु वासवानी ग्राउंड पर रविवार को सिंधी समाज का सामूहिक जनेऊ संस्कार का आयोजन किया गया। समाज के प्रमुख धार्मिक गुरू साई संजय देव मसंद के सान्निध्य में जनेऊ संस्कार सम्मेलन पूजा अर्चना और बहिराणा साहब से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके बाद पंडित जयकुमार शर्मा के द्वारा 51 बच्चों को जनेऊ का पवित्र धागा वैदिक रीति से पहनाया गया। जनेऊ संस्कार के बाद भण्डारें का आयोजन हुआ आयोजन में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। यह संत बाबा सुखरामदास मसंद सेवा ट्रस्ट एवं वर्तमान गद्दीनशीन साई संजय देव मसंद के सान्निध्य में कई सालों से कार्यक्रम होते आ रहा है। रविवार सुबह साईं संजय देव मसंद का संत हिरदाराम नगर रेल्वे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। जनेऊ संस्कार समाज के जो लोग विवाह समारोह में इस रस्म को अदा नहीं कर पाते है। वे इस सम्मेलन में जनेऊ संस्कार बच्चों का करवाते हैं। संतों द्वारा नई पीढ़ी को इसके महत्व की जानकारी भी दी जाती है ताकि युवा पीढ़ी सनातन एवं संस्कारों को समझे।

माहेश्वरी समाज का संकल्प, जितने घर में सदस्य उतने पौधे लगाएंगे और पेड़ बनने तक करेंगे देखभाल

भोपाल। माहेश्वरी समाज भोपाल वृहद ने महेश नवमी के उपलक्ष्य पर लिया संकल्प हर घर में जितने सदस्य उतने पौधे लगाएंगे और पेड़ बनने तक करेंगे देखभाल । माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस (महेश नवमी) के उपलक्ष्य में माहेश्वरी समाज भोपाल वृहद द्वारा रविवार सायंकाल से गुजराती समाज भवन में सामाजिक मिलन और भजन संध्या का आयोजन किया गया। समाज के सभी सदस्यों ने अपने शहर की हरियाली को बढ़ाने और उसे संरक्षित करने का संकल्प लिया । सभी साथियों ने आपस में विचार विमर्श कर यह सुनिश्चित किया कि हर घर में जितने सदस्य हैं उतने पौधे सुरक्षित स्थानों में लगाए जाएंगे और पेड़ बनने तक उनकी देखभाल भी की जाएगी । माहेश्वरी समाज भोपाल वृहद के अरुण चौधरी, अशोक पलोड, चतुर्भुज मालपानी, संतोष बाहेती, सुनील भूतड़ा और संजय मल ने आयोजन की सफलता के लिए भारी संख्या में उपस्थित समाजजन का आभार व्यक्त किया ।

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं की हुई कार्यशाला

भोपाल । दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की कार्यशाला रविवार को सिंधु भवन शिवाजी नगर में आयोजित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होने वाले आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई, कार्यशाला को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधानसभा लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी जी की सरकार की नीतियों के कारण आज पूरा विश्व भारत को सम्मानजनक नजरों से देखा है, और भारत से अपने रिश्ते मजबूत करना चाहता है । कार्यशाला में जून माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई, एक पेड़ मां के नाम, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पुण्यतिथि सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। कार्यशाला में वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश राय जिला कार्यालय प्रभारी राजू अनेजा मंडल अध्यक्ष प्रियेश उपाध्याय हेमंत बडगैया पारस नरवरिया मुकेश देहाडे सोनू पालीवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा संत नगर मंडल की कार्यशाला

भोपाल । संकल्प से सिद्धि तक प्रधानमंत्री के 11 वर्ष एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा संत नगर मंडल की कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यशाला में सभी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई । बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्री राम बंसल जी,जिला उपाध्यक्ष श्री राहुल राजपूत जी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी ने की कार्यशाला मे वरिष्ठ नेता चंदू भैया, पूर्व पार्षद माखन सिंह राजपूत , जोन अध्यक्ष विकास मारण , वरिष्ठ नेता किशन अच्छानी ,श्री बसंत चेलानी , महामंत्री सूरज यादव , बबलू चावला, शेट्टी चंदनानी, सुमित आहूजा, उमेश नागर, प्रदीप मेवाड़ा, मिक्की दास, ओमप्रकाश सिंगरौली, संध्या प्रधान, शिव मिश्रा, विशाल साधवानी आदि मौजूद रहे।

सारिका ने सैनिकों के शौर्य के साथ विज्ञान से वार को दिखाया प्रदर्शनी में

भोपाल। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति ने युद्ध लड़ने के तरीके को बदल दिया है। जय जवान के बाद जय विज्ञान का दिया नारा आज मिलकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से युद्ध कौशल में आये बदलाव को बता रहा है । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में रक्षा क्षेत्र में रिसर्च के माध्यम से अब सीमित हथियारों से भी बढ़त हासिल की जा सकती है यह बात भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय का एनसीएसटीसी नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने जय जवान..जय विज्ञान प्रदर्शनी में कही । भोपाल के चिनार पार्क में सारिका घारू द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारतीय रक्षा प्रणालियों में जवानों के शौर्य के साथ विज्ञान के योगदान को दर्शाया गया । इसमें राफाल, एल- 70 एयर डिफेंस सिस्टम, जू-23 मिमी गन, शिल्का गन, एस -400 सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली के मॉडल को चलित मॉडल की मदद से शत्रु ड्रोन के मॉडल को नष्ट करने को ऑडियो के साथ दर्शाया गया । सारिका ने कहा कि ड्रोन को युद्ध में इस्तेमाल के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार बना दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हाल के ड्रोन युद्ध ने साबित कर दिया है कि लड़ाई हवा में होने का समय आ गया है । भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान हमारे देश के ड्रोन विरोधी सिस्टम , पाकिस्तान के हमलावर ड्रोन की लहर को रोकने में सक्षम थे, भारत ने सीमा पर एंटी एयरक्राफ्ट गन तैनात की , एक्सटेन्सिव एयर डिफेंस अम्ब्रेला को सक्रिय किया तथा इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिये आकाश तीर प्रणाली की मदद ली गई जिसमें भारतीय रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तानी ड्रोन नष्ट किये। सारिका ने कहा कि टेक्नालॉजी के साथ युद्ध के इस युग में महिलाओं की सैन्य क्षेत्र में भागीदारी भी बढ़ सकेगी । अब समय है जय जवान .. जय विज्ञान का । प्रदर्शनी में रखे गये मॉडल के बारे में ये जानकारी दी गई - एल- 70 एयर डिफेंस सिस्टम का फायर रेट 300 राउंड प्रति मिनिट से अधिक है और इसकी रेंज 3 से 4 किमी है । जू-23 मिमी गन में टिवन बैरल से प्रति मिनिट 4000 राउंड तक फायर कर सकती है । ये 2 किमी से अधिक तक फायर का घना घेरा बनाती है । शिल्का गन सिस्टम प्रति मिनिट 8000 राउंड तक का फायर कर सकता है । भारत की एस -400 सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली ने हवाई हमले को रोककर और उसे निष्क्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए 3 नाम सामने आए, पर संकेत राम माधव की ताजपोशी के !

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि आंतरिक विचार-विमर्श चल रहा है और औपचारिक प्रक्रिया जून के मध्य तक शुरू हो सकती है। माना जा सकता है कि इसी माह अंत तक नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। वैसे तो पार्टी अध्यक्ष के लिए कई नाम चर्चा में है। लेकिन, जो नाम हाल ही में बड़ी तेजी से अंदर ही अंदर चर्चा में आया है वह है राम माधव। वैसे तो राम माधव पिछले सालों में संघ में ही सक्रिय थे और पार्टी की मुख्य धारा से दूर थे लेकिन पिछले साल उनकी एक तरह से घर वापसी हुई और वे वापस मुख्य धारा में लौटे और उन्हें जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जवाबदारी दी थी। उन्हें जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रभारी बनाया गया था। दरअसल यह उनका पुराना ही असाइनमेंट था जो नए टास्क के रूप में उन्हें दिया गया था क्योंकि पिछली बार भले ही गठबंधन की ही सही, राम माधव ने ही बीजेपी की सरकार जम्मू कश्मीर में बनवाई थी।

पिछले साल पार्टी में वापसी के बाद राम माधव फिर से लगातार सक्रिय राजनीति में : भाजपा ने अधिकांश राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे कर लिए हैं, जो अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले पार्टी संविधान के तहत एक आवश्यक पूर्व शर्त है। उत्तर प्रदेश में 70 जिला अध्यक्षों की हाल ही में हुई घोषणा ने इस अटकल को और हवा दे दी है कि केंद्रीय नेतृत्व जल्द ही भाजपा अध्यक्ष पद पर फैसला ले सकता है। हालांकि, कहा जा रहा है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर इस प्रक्रिया में कुछ देरी हुई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्ति से पहले भाजपा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सहित प्रमुख राज्यों में नए राज्य इकाई अध्यक्षों के नाम को अंतिम रूप दे सकती है। राज्य स्तरीय पुनर्गठन पहले उत्तर प्रदेश में, जहां जातिगत समीकरण अहम हैं, पहले ब्राह्मण चेहरे पर विचार किया जा रहा था। पार्टी के एक वर्ग में ओबीसी नेता की मांग बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में मौजूदा नेतृत्व संरचना में एक ओबीसी मुख्यमंत्री और एक ब्राह्मण राज्य अध्यक्ष है। यह संतुलन अब तक पार्टी के लिए कारगर रहा। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि पार्टी अब राज्य प्रमुख के रूप में एक आदिवासी नेता को नियुक्त करने पर विचार कर रही है। क्योंकि, मौजूदा राज्य और राष्ट्रीय नेतृत्व में आदिवासियों का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम है। उत्तराखंड में एक ब्राह्मण नेता को प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे बताया जा रहा है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जहां राज्य स्तरीय समीकरणों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, वहीं पार्टी हलकों में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों के नामों पर चर्चा शुरू हो गई है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की दौड़ में 3 प्रमुख दावेदार: केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा के एक प्रमुख ओबीसी नेता जो अपने संगठनात्मक कौशल और केंद्रीय नेतृत्व से निकटता के लिए जाने जाते हैं, पार्टी के अध्यक्ष पद की दौड़ में प्रमुख नेताओं में से एक हैं। दूसरे, शिवराज सिंह चौहान भी एक शीर्ष दावेदार के रूप में उभरे हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और अब केंद्रीय मंत्री, उन्हें जमीनी स्तर का अनुभव रखने वाले एक जन नेता के रूप में देखा जाता है। मनोहर लाल खट्टर जो हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री से केंद्रीय मंत्रिमंडल में आए हैं, निरंतरता और प्रशासनिक अनुभव का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इसलिए, कहा जा रहा है कि वह उन तीन बड़े नामों में से एक हैं, जिन्हें भाजपा चुन सकती है। इन तीनों प्रमुख नेताओं के नाम के बाद भी बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए सूत्र राम माधव के नाम की ओर ही संकेत दे रहे हैं।

राम माधव भाजपा के सफल रणनीतिकार: मूलतः आंध्र प्रदेश के रहने वाले 60 वर्षीय माधव इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और पॉलिटिकल साइंस में मास्टर की डिग्री हासिल कर चुके हैं। वह 20 साल की उम्र में पहुंचने से पहले ही आरएसएस के प्रचारक बन गए थे। उन्होंने संघ के अंदर अपनी छवि को इस तरह का बनाया कि वह उनको दिए गए हर एक मिशन को पूरा करके ही मानते थे। राम माधव को साल 2003 में एमजी वैद्य की जगह संघ का प्रवक्ता बनाया गया था। वैद्य, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को बार-बार अपने बयानों से घेरते रहते थे। ऐसे में माधव को प्रवक्ता की कमान सौंपी गई। प्रमोद महाजन की तरह माधव भी बड़े-बड़े मामलों में बड़ी सफाई और विश्वसनीयता से संघ का पक्ष रखते थे। राम माधव 2014 में संघ से बीजेपी की सक्रिय राजनीति में बड़ी खामोशी से आए थे, इसी समय अमित शाह को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया, तब माधव को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया था। वे अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भी अपनी अच्छी खासी पहुंच रखते थे। पीएम मोदी की सरकार के शुरुआती दिनों में उनकी विदेश यात्राओं में माधव के सुझावों को भी काफी अहमियत दी जाती थी। राम माधव ने पार्टी अध्यक्ष अमित शाह के निर्देश पर पार्टी के एजेंडे धारा 370 को ख़त्म करने और जम्मू-कश्मीर में अनुकूल माहौल बनाने के लिए जमीनी स्तर पर जमकर मेहनत की। इसके बाद पूर्वोत्तर में चुनावों में काफी हद तक मदद की। माधव असम में तरुण गोगोई का किला ध्वस्त करने में कामयाब रहे। असम में पहली बार न केवल बीजेपी की सरकार बनी बल्कि हिमंत बिस्वा सरमा जैसे कांग्रेस के अहम नेता को राम माधव ने अपने पाले में किया। आज की तारीख में असम और मणिपुर में बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं। इसके साथ ही नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी सरकार में सहयोगी पार्टी है। इसके साथ ही पार्टी ने त्रिपुरा में भी उन्हीं के संगठनात्मक सूझबूझ से पहली बार लाल का किला उखाड़ने में कामयाबी पाई और यहां पर वामपंथी के शासन को उखाड़ फेंका था। वह पार्टी में जल्द ही एक फेमस चेहरा बनकर सामने आए।

संघ का 100 साल पुराना ड्रेस कोड बदलवाना माधव की सोच

संघ की 100 साल पुरानी ड्रेस कोड को बदलवाने का श्रेय भी माधव को ही जाता है। उनका मानना था कि संघ को आधुनिकता पर जोर देते हुए अपने विचारों के साथ काम करना होगा। ताकि टीवी और इंटरनेट वाली नई पीढ़ी को आकर्षित किया जा सके। माधव ने ही अपने शीर्ष नेताओं की नापसंदगी के बावजूद इंफोमेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) को अपनाया। आज संघ प्रमुख मोहन भागवत का अपना ट्विटर एकाउंट है। सूत्रों के मुताबिक माधव जिस तेजी से उभर रहे थे कि उनके विकास से अनेक लोग ज्यादा खुश नहीं थे। जनवरी 2020 में जब जगत प्रकाश नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए गए तब उनकी टीम में माधव को जगह नहीं मिली। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जनवरी 2020 से इस पद पर हैं। 2024 के आम चुनावों तक पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था। अब जब यह जनादेश पूरा हो गया है, तो नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं ने गति पकड़ ली है। चुनाव प्रक्रिया की देखरेख के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति गठित किए जाने की संभावना है, जिसमें नामांकन दाखिल करना, जांच करना और यदि आवश्यक हो तो मतदान भी शामिल होगा।

ये हैं डॉ इशिता यादव जो सीएम डॉ. मोहन यादव की बहू बनेंगी

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुपुत्र डॉ. अभिमन्यु एवं डॉ. इशिता के सगाई समारोह में शामिल हुए और शुभकामनाएं दीं।

भोपाल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ अभिमन्यु की भोपाल में रविवार को सगाई हो गई। मोहन यादव ने इसकी जानकारी अपने 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से दी है। उन्होंने सगाई के दौरान की तस्वीर भी शेयर की है। खरगोन जिले के सेल्दा की रहने वाली डॉ इशिता मुख्यमंत्री के परिवार की बहू बनेंगी। सीएम हाउस में करीबी रिश्तेदारों और दोनों परिवारों के परिजनों की मौजूदगी में सगाई समारोह हुआ। मुख्यमंत्री निवास में सादा समारोह में आयोजित कार्यक्रम में पहले विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को अंगूठी पहनकर नए जीवन में जाने की मंगल कामना की। डॉ अभिमन्यु यादव एमएस हैं और मुख्यमंत्री के छोटे बेटे हैं। उनके बड़े भाई और बड़ी बहन का विवाह पहले हो चुका है। वहीं मंगेतर डॉ इशिता भी चिकित्सा क्षेत्र में एमबीबीएस हैं। सीएम हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में सरकार के मंत्रियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। वहां मौजूद लोगों ने नवयुगल को उपस्थित होकर शुभकामनाएं दी। खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए अपने बेटे की सगाई की जानकारी दी। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'बाबा श्री महाकाल और गोपाल कृष्ण की परम कृपा और पूज्य पिताश्री और माताश्री के आशीर्वाद से पुत्र चिरंजीवी डॉ. अभिमन्यु यादव की सगाई, खरगोन के दिनेश यादव की पुत्री डॉ इशिता यादव के साथ संपन्न हुई। इस पुनीत, पावन मंगल बेला पर सभी वरिष्ठजनों ने आशीर्वाद प्रदान किया, स्वजनों ने बधाइयां दीं। आप सभी का हृदय से आभार, अभिवादन।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण पुरस्कार से डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना (वैज्ञानिक, पर्यावरणविद) को सम्मानित किया गया।

प्रेमानंद महाराज से मिले चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा महाराज ने दी न्याय के क्षेत्र में धर्म की अहम सीख

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने हाल ही में वृंदावन स्थित प्रसिद्ध संत स्वामी प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। यह मुलाकात मात्र आध्यात्मिक यात्रा नहीं थी, बल्कि न्याय और धर्म के बीच गहरे रिश्ते को समझने और उसे अपने कार्यों में लागू करने पर एक महत्वपूर्ण संवाद भी थी। स्वामी प्रेमानंद ने न्याय के क्षेत्र में धार्मिक दृष्टिकोण को समझाने का प्रयास किया और कहा कि न्याय केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि धर्म का पालन भी है। इस मुलाकात से यह स्पष्ट हुआ कि न्याय के क्षेत्र में सही मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए ईमानदारी और निष्कलंक सेवा की भावना महत्वपूर्ण है।

स्वामी प्रेमानंद ने मुख्य न्यायाधीश को न्याय के संबंध में गहरी बातें बताईं। उनका कहना था कि न्याय केवल कानून का पालन नहीं है, बल्कि यह धर्म के अनुसार भी होना चाहिए। उन्होंने न्यायाधीशों को यह आह्वान किया कि वे केवल कानून के तहत ही नहीं, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी निर्णय लें। स्वामी प्रेमानंद ने कहा, ÷दोषी को दंड देना और निर्दोष को बचाना ही सच्चा न्याय है। न्याय का उद्देश्य समाज में शांति और न्याय की भावना को बनाए रखना है।

स्वामी प्रेमानंद ने न्याय के उद्देश्य को स्पष्ट किया। उनके अनुसार, न्याय का असल उद्देश्य दोषी को सजा और निर्दोष को न्याय दिलवाना है। इसके लिए न्यायाधीशों को निम्नलिखित गुणों को अपनाना चाहिए- निर्भीकता से काम करना- किसी भी दबाव के बावजूद न्याय का पालन करना चाहिए। प्रलोभन से दूर रहना- न्यायाधीशों को किसी भी प्रकार के प्रलोभन से बचना चाहिए और केवल सत्य का पालन करना चाहिए।सेवा भावना को सर्वोच्च मानना- अपने पद का इस्तेमाल समाज की सेवा के लिए करना चाहिए, न कि स्वार्थ के लिए।

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा से बातचीत में स्वामीजी ने यह भी कहा कि ईश्वर ने जो पद दिया है, वह सेवा के लिए है, न कि स्वार्थ के लिए। श्रीकृष्ण और अर्जुन का उदाहरण स्वामी प्रेमानंद ने भगवद्गीता का उदाहरण देते हुए कहा- जैसे श्रीकृष्ण ने अर्जुन से युद्ध करने को कहा था, वैसे ही एक न्यायाधीश का भी धर्म है कि वह निडर होकर न्याय करे। स्वामी प्रेमानंद ने यह भी स्पष्ट किया कि जो पद किसी को प्राप्त होता है, वह सेवा के लिए है, न कि अधिकार के रूप में। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश से कहा कि हर पद का उद्देश्य समाज की भलाई है, और इसे केवल भगवान की पूजा की तरह समझकर निभाना चाहिए। पद को स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए उपयोग करना चाहिए। स्वामी प्रेमानंद ने न्याय की धार्मिक भूमिका को समझाने के लिए श्रीमद्भगवद्गीता का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से युद्ध करने का आदेश दिया था, वैसे ही न्यायाधीश का धर्म है कि वह बिना डर के, ईमानदारी से न्याय का पालन करे। उनका मानना था कि एक न्यायाधीश को हमेशा अपने कार्यों में निर्भीकता, ईमानदारी और निष्कलंक सेवा भावना के साथ निर्णय लेना चाहिए।

शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सी एम राइस स्कूल की प्रिंसिपल हेमलता परिहार का राजनीतिक दबाव के चलते ट्रांसफर के विरोध में आज स्कूल के बच्चे एवं परिजनों ने स्कूल के गेट पर धरना देकर प्रदर्शन किया।

मिशन कर्मयोगी में नगरीय प्रशासन एवं विकास के 43 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी पंजीकृत

भोपाल। प्रदेश में राष्ट्रीय मिशन कर्मयोगी की अवधारणा और कार्य-प्रणाली को ध्यान में रखकर राज्य सरकार ने क्षमता निर्माण नीति तैयार की है। इस नीति में प्रत्येक विभाग के बजट में मिशन कर्मयोगी के लिये बजट का एक प्रतिशत आरक्षित किया गया है। इस व्यवस्था से कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास के लिये आवश्यक संसाधन सुनिश्चित हो रहे हैं। यह व्यवस्था संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास में भी लागू की गयी है। मिशन कर्मयोगी डिजिटल पोर्टल पर अब तक 43 हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को पंजीकृत किया जा चुका है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 70 प्रतिशत है।

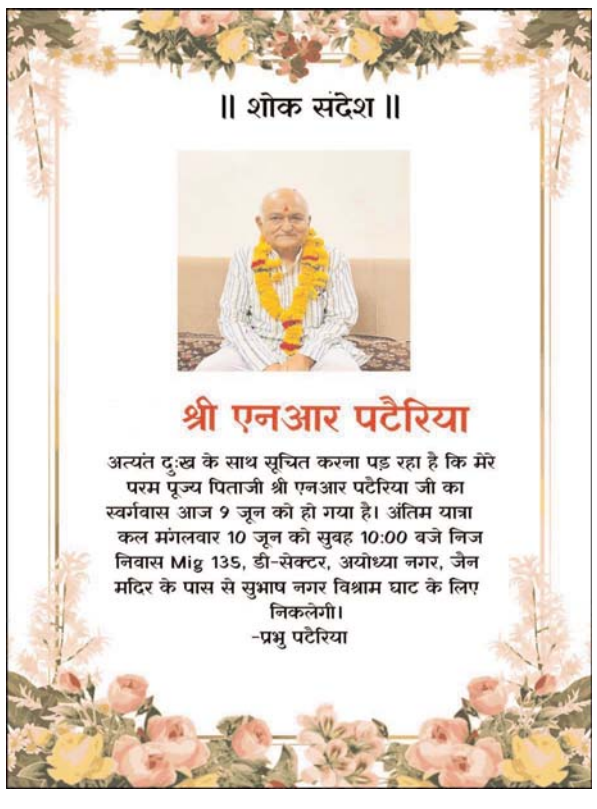

शिवराज ने क्यों कहा, मोहन ही हमारे मुख्यमंत्री....!

राज-काज

दिनेश निगम त्यागी
वरिष्ठ पत्रकार

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पूरे देश के मंत्री हैं, लेकिन उन्होंने अपने गृह क्षेत्र सीहोर में पदयात्रा शुरू की तो कई तरह की अटकलों को जन्म मिला। अब अचानक उन्होंने कह दिया कि इधर-उधर कोई कयास मत लगाना, मोहन यादव ही मुख्यमंत्री हैं। मैं कृषि मंत्री हूं, पार्टी ने जो कह दिया, वह मेरे लिए ब्रह्मवाक्य है। उन्होंने कहा कि मेरी पद यात्रा को मीडिया के मित्रों ने कुछ अलग रूप दे दिया। कहा गया कि कि ये निकल गया, पता नहीं क्यों निकला है। शिवराज ने यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में शनिवार को सीहोर के एक कार्यक्रम में सार्वजनिक तौर पर कही। बड़ा सवाल यह है कि सरकार बनने के लगभग 6 माह बाद उन्हें यह कहने की जरूरत क्यों पड़ गई कि मोहन यादव ही मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मेरी सांस चलेगी, जो काम मिला उसे दिल्ली और देश में रहकर पूरा करता रहूंगा, अन्य कोई सोच हो ही नहीं सकती। इसलिए मीडिया के मित्रों मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इधर-उधर कोई कयास मत लगाना। मोहन यादव मेरे मुख्यमंत्री हैं, और हम उनके साथ खड़े हैं। यह शिवराज का मार्ग है, इसमें न दाएं है न बाएं है। पहले शिवराज द्वारा शुरू की गई पद यात्रा के मायने तलाशे जा रहे थे, अब उनके इस कथन के निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं। ऐसा तो नहीं कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी को भूल नहीं पा रहे हैं।

असल में जनता के बीच के लीडर हैं ये मंत्री जी: हम बात कर रहे हैं प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की। जनता के बीच का लीडर कैसा होना चाहिए, किसी को देखना है तो तोमर की कार्यशैली पर नजर दौड़ा ले। हर सांसद, विधायक और मंत्री कहलाता तो जनता का प्रतिनिधि है लेकिन प्रद्युम्न तोमर जैसा कोई नहीं। सबने देखा है कि जनता की मांग पूरी नहीं हुई तो उन्होंने जूता-चप्पल त्याग दिए। गंदगी दिखी तो कभी नालियां साफ करने उतर गए, कभी शौचालय में स्वीपर का काम करते नजर आए। समस्याओं को देखने निकले और भूख लगी तो किसी भी घर से रोटी मांग कर उसकी देहरी पर ही बैठ कर बड़े चाव से भोजन करते नजर आ गए। बिजली की समस्या आई तो खुद बिजली के खंबे पर चढ़ गए। हाल ही में डबरा से लोगों की शिकायत आई तो रात 2 बजे ही पहुंच गए और रात में ही सारे अफसर बुला लिए। भीषड़ गर्मी में टेंट लगाकर बिना एसी के सो गए। कहने का तात्पर्य यह कि आजादी के आंदोलन से लोगों को जोड़ने के लिए जो कभी महात्मा गांधी करते थे, वह करते प्रद्युम्न नजर आ जाते हैं। उद्देश्य सिर्फ एक है जन प्रतिनिधि के नाते जनता की सेवा। कॉश, हर जनप्रतिनिधि ऐसा हो जाए तो राजनीति से लोगों के उठे भरोसे की बहाली हो जाए। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने साष्टांग दंडवत होने को लेकर वे आलोचना के केंद्र में रहते हैं। लोगों को उनका यह बर्ताव पसंद नहीं।

खरी-खरी कहने के साथ चूक भी कर गए राहुल: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपनी छवि खरी-खरी कहने वाले नेता की बनाई है। अपनी इस शैली के कारण वे कई बार नुकसान भी उठा जाते हैं। उनके हाल के भोपाल के दौरे को ही ले लीजिए। उन्होंने खरी-खरी बातें की और अपनी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को जूते पहने पुष्पांजलि

अर्पित करने की चूक कर दी। 'ट्रंप का फोन और नरेंदर-सरेंडर' कह कर उन्होंने समूची भाजपा को उद्वेलित कर दिया। इस बयान के बाद भोपाल से लेकर दिल्ली तक भाजपा का हर प्रमुख नेता उनके खिलाफ मैदान उतर आया। दूसरा, तीन तरह के घोड़ों से कांग्रेस नेताओं की तुलना कर राहुल ने पार्टी के अंदर और बाहर बहस को जन्म दे दिया। उनके दोनों बयानों के गहरे अर्थ हैं और सोच समझ कर दिए गए लगते हैं। उनका यह दौरा चूंकि मध्यप्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने के उद्देश्य को लेकर था, इसलिए उन्होंने नेताओं की तुलना तीन तरह के घोड़ों रेस वाले, बारात वाले और लंगड़े से की। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि कांग्रेस में तीन तरह के ही नेता हैं। पहले जो मैदान में सक्रिय हैं। दूसरे, सिर्फ बैठकों-कार्यक्रमों में आने की औपचारिकता करते हैं और तीसरे वे जो कांग्रेस का नुकसान और भाजपा को फायदा पहुंचाते हैं। इस लिहाज से राहुल ने कुछ गलत नहीं कहा, बशर्ते वे ऐसे नेताओं को छांट कर काम पर लगा पाएं।

राहुल गांधी के 'लंगड़े घोड़े' को लेकर भी सियासत: राहुल गांधी द्वारा बोले गए हर वाक्य और शब्द पर सियासत की जाने लगी है, हालांकि यह भाजपा की कुशल रणनीति का हिस्सा भी है। राहुल भोपाल में कांग्रेस नेताओं की तीन तरह के घोड़ों से तुलना कर रहे थे, इनमें एक 'लंगड़ा घोड़ा' भी था। राहुल के साथ हर कोई समझता है कि वे लंगड़े घोड़े की तुलना अपनी पार्टी में एक तरह के नेताओं से कर रहे थे। जिनके लिए यह कहा गया, उनमें से कोई नेता लंगड़ा भी नहीं है। उन्होंने इस शब्द का प्रयोग सिर्फ मुहावरे के तौर पर ही किया। किसी दिव्यांग अथवा लंगड़े को उन्होंने लंगड़ा नहीं कहा। बावजूद इसके कुछ दिव्यांग मैदान में उतर आए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने लंगड़ा शब्द का इस्तेमाल कर दिव्यांगों का अपमान किया है। इसके लिए उन्हें माफी मांगना चाहिए। कुछ दिव्यांग तख्ती लिए प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग से मिल कर विरोध दर्ज कराने पहुंच गए। एक पद्मश्री प्राप्त दिव्यांग ने भी राहुल के बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि राहुल को स्पष्टीकरण देना चाहिए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि राहुल का उद्देश्य किसी दिव्यांग की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था, फिर भी यदि किसी को बुरा लगा हो तो वे माफी मांगते हैं। फिर भी मामला शांत नहीं हुआ। कुछ दिव्यांग और भाजपा राहुल पर लगातार हमलावर हैं। यही तो राजनीति है।

मंच के बहाने दिग्विजय की नेताओं को नसीहत: इसीलिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को उस्तादों का उस्ताद कहा जाता है। मंच पर न बैठने के अपने निर्णय को उन्होंने व्यक्तिगत भी कह दिया और तंज कसते हुए यह भी कि कांग्रेस नेताओं को जनता के बीच रहना होगा। तात्पर्य यह कि यदि मंच पर बैठते हो तो जनता से दूर और नीचे बैठे तो जनता के बीच। दिग्विजय ने यह नसीहत अपने मंच से नीचे बैठने के पक्ष में कारण गिनाते हुए दी। बता दें, उन्होंने ग्वालियर के कार्यक्रम में भविष्य में मंच पर न बैठने की घोषणा की थी और इसके बाद जबलपुर के कार्यक्रम में मंच की बजाय नीचे बैठ गए थे। पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया ने उनके पैर पकड़ कर मंच पर ले जाने का आग्रह किया था लेकिन दिग्विजय नहीं माने थे। किसी दूसरे नेता ने मंच पर न बैठने के मसले पर दिग्विजय का अनुसरण भी नहीं किया था। संभवतः इसीलिए उन्होंने मंच के बहाने पूरी पार्टी को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। दिग्विजय के इस कदम को राहुल गांधी द्वारा नेताओं की घोड़ों से तुलना से जोड़ कर भी देखा जा रहा है, क्योंकि राहुल के निशाने पर कमलनाथ, दिग्विजय सिंह जैसे नेता भी थे। लिहाजा, दिग्विजय ने इस स्पष्टीकरण के जरिए अपनी उपयोगिता सिद्ध करने की कोशिश की है। मंच पर न बैठने को लेकर दिग्विजय ने सोनिया, राहुल और महात्मा गांधी तक के उदाहरण दे डाले हैं। पार्टी नेतृत्व इस नसीहत को कैसे लेता है, देखना होगा।

संपादकीय

कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 4 हजार को पार कर चुकी

कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित मरीजों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है। अकेले केरल में ही संक्रमित मरीजों की संख्या 1500 के पास पहुंच चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई और देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। फिलहाल मौतों की संख्या आधा दर्जन है और 146 करोड़ की आबादी वाले देश में यह आंकड़ा नगण्य है।

उन्होंने एलएफ-7, एक्सएफजी, जेएन-1 और एनबी-1.8.1 जैसे कुछ सब-वेरिएंट की पहचान की है। उनमें एलएफ-7, एक्सएफजी और जेएन-1 सबसे सामान्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी, 2025 तक ऐसे कोरोना वायरस को 'वेरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग' के वर्ग में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने भी कहा है कि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है, लेकिन इसके मायने ये भी नहीं हैं कि इसको हल्के में लिया जाए। चूंकि भारत में 70 फीसदी से अधिक आबादी में कोरोना का टीकाकरण हो चुका है, लिहाजा महामारी विशेषज्ञों और मेडिकल बिरादरी का मानना है कि कोरोना का मौजूदा वेरिएंट 'मौसमी फ्लू' से कुछ ही ज्यादा है। लेकिन थाईलैंड की खबर है कि वहां करीब 2.5 लाख लोग कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं। यह सही है कि इस संक्रमण के लक्षण हल्के हैं, लेकिन पहले से गंभीर बीमारियों के शिकार लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को किसी भी तरह की लापरवाही भारी भी पड़ सकती है। भारत में सिर्फ कोरोना का ही संकट नहीं है, लेकिन एचएवएन1, डेंगू, चिकनगुनिआ, निपाह, जीका आदि खतरनाक वायरसों की घर-घर चर्चा है।

ये संक्रमण भी फैलते हैं और मौतें भी होती हैं। हमने इनसे सबक सीखे हैं। जन स्वास्थ्य मशीनरी में जहां भी कमजोर कड़ी दिखाई देती है, उसे बेनकाब किया जाता है। हालांकि इन पर भी सवाल हैं। वायरस की नस्ल की पहचान करने में ही लंबा वक्त खर्च हो जाता है, संक्रमण के अनुपात में ऐसी प्रयोगशालाएं बेहद कम हैं, जिनमें पूरी तरह जांच के उपकरण हों। क्या हमने उनकी जिम्मेदारी तय की है? हमारी निगरानी प्रणालियां, स्वास्थ्य ढांचा और सामुदायिक देखभाल भी पर्याप्त नहीं हैं। कोरोना इस बार खतरा साबित न हो, लेकिन हम नहीं जानते कि कब, कहां और कौन-सा वायरस फैल सकता है और हम मौत के मुहाने तक पहुंच सकते हैं। बहरहाल, चिंतित होने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्कता बरतना बहुत जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इससे निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम कर लेने चाहिए।

भारत की बहुआयामी प्रगति, समृद्धि और सम्मान के 11 वर्ष

डॉ. मोहन यादव
(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

नये भारत निर्माण के दृष्टा, वैश्विक राजनेता और हमारे मार्गदर्शक यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये समर्पित रहा है। यह समय अनूठा, अद्भुत और अकल्पनीय है। इस यात्रा में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत को विश्व में मान, सम्मान और श्रेष्ठ स्थान प्राप्त हुआ है। इस विशेष उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री को हार्दिक बधाई।

प्रधानमंत्री की यह यात्रा देश की बहुआयामी प्रगति, समृद्धि और सम्मान की यात्रा है। इसमें एक ओर भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना है, देश का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है और भारत अब डिफेंस इम्पोर्टर से एक्सपोर्टर बन गया है। वहीं 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि डबल इंजन की सरकार का लाभ मध्यप्रदेश और प्रदेशवासियों को मिल रहा है। इस विशेष संयोग में प्रदेश ने नवाचारों के साथ विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान का मंत्र दिया। उन्होंने इन्हीं चार स्तंभों के समग्र विकास से वर्ष 2047 तक विकसित भारत निर्माण का मार्ग बताया। हमने इन्हीं स्तंभों पर केन्द्रित मिशन बनाकर कार्य आरंभ कर दिया है।

प्रधानमंत्री की नीतियों और निर्णयों ने नये आत्मनिर्भर भारत निर्माण को गति दी है। 11 वर्ष पूर्व श्री मोदी ने संसद की सीढ़ियों को नमन करके जो संकल्प व्यक्त किये थे, उनमें उनकी भावी यात्रा के साथ नये भारत निर्माण के संकेत भी थे। उन्होंने निरंतर अपने संकल्पों की सिद्धि के साथ देश को आगे बढ़ाया है और राष्ट्र तथा समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिये हैं। ?

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, भारत में नागरिकता कानून (सीएए) बनाने, तीन तलाक जैसे अमानवीय कानून को समाप्त करने, वक्फ संपत्ति का मुस्लिम समाज के कल्याण में उपयोग के लिए वक्फ संशोधन विधेयक कानून लाने जैसे निर्णय प्रधानमंत्री जी की संकल्प शक्ति से ही संभव हुए हैं। उनका दृढ़ संकल्प सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक में भी दिखाई दिया। बालाकोट के बाद ऑपरेशन सिंदूर से भारत के सामर्थ्य को पूरी दुनिया ने देखा है। पहलगाम में बहनों के सामने आतंकियों ने उनका सिंदूर मिटाया था, प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से यह साबित कर दिया कि यह नया भारत है जो राष्?ट्र के सम्मान, नागरिकों की सुरक्षा और मानवता के लिए घर में घुसकर भी मारना जानता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की यह समृद्ध यात्रा राष्ट्र की उन्नति, आधारभूत समस्याओं के निराकरण और वैश्विक छवि के उत्थान की रही है। देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों को निःशुल्क अन्न, 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्का घर, हर घर में शौचालय, 15.6 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल, 10 करोड़ से अधिक घरों में उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन और गांवों को रोशन किया है। उनके स्वच्छ भारत अभियान के आह्वान पर पूरा देश स्वच्छता एवं साफ सफाई में जुट गया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश के इंदौर को लगातार सात बार स्वच्छ शहर का पुरस्कार और मध्यप्रदेश को दूसरा सबसे स्वच्छ राज्य बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का उद्घोष किया। उनकी नीतियों में अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की अवधारणा है। सबके स्वस्थ और सुखमय जीवन के लिए 'आयुष्मान भारत' अभियान चलाया। इसमें 9 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त उपचार हुआ है। सत्तर वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को भी निःशुल्क उपचार मिला है। 16 हजार से अधिक जन औषधि केन्द्रों से सस्ती और अच्छी दवाएं उपलब्ध करवाई है। कोरोना काल में देशवासियों को आपदा में अवसर का मंत्र देते हुए प्रधानमंत्री जी ने आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संकल्प दिया और देशवासियों को स्वदेशी निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करवाई। इस भारतीय वैक्सीन को दुनिया के कई देशों ने भी स्वीकारा। उन्होंने श्रृंखलाबद्ध लोक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के हर वर्ग के समग्र विकास की समुचित व्यवस्था की। जनधन योजना से 55 करोड़ से अधिक लोगों को वित्तीय धारा से जोड़ा गया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से गरीबों को 44 लाख करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है। पीएम स्वनिधि और स्ट्रीट वेंडर से रेहड़ी-पटरी के व्यवसायियों को आधार दिया और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी, युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए, नई शिक्षा नीति के साथ 1.6 करोड़ से अधिक युवाओं का कौशल विकास और 1.6 लाख से अधिक स्टार्टअप्स शुरू कर युवाओं को विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिये भागीदार बनाया है। मध्यप्रदेश ने सबसे पहले नई शिक्षा नीति को अमल में लाया और युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर रोज़गार तथा स्व-रोज़गार के लिये अनंत संभावनाए विकसित की हैं।

मुझे इस बात की खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री किसान सम्?मान निधि, 7.7 करोड़ से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड तथा फसल बीमा से अन्नदाताओं को संबल मिला है। महिलाओं की सुरक्षा के उपाय, आर्थिक स्वावलंबन, सामाजिक उत्थान और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। देशभर में लगभग 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। देश में 90 लाख से अधिक स्व सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएं लाभान्वित हुई हैं इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में लगभग 5 लाख स्व सहायता समूहों से 62 लाख महिलाएं आत्मनिर्भर हुई हैं।

वर्ष 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान पर थी। प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों, विशेषकर नोटबंदी जिससे कदाचार पर नियंत्रण हुआ, डिजिटलाइजेशन और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से ऑनलाइन लेनदेन का चलन बढ़ा। इन सभी नीतियों ने आर्थिक विकास के निर्णयों को सबल किया और भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया।

प्रधानमंत्री जी ने विकास के साथ विरासत का आह्वान किया है। विरासत को सहेजने के लिए उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास और पुनर्प्रतिष्ठा का कार्य आरम्भ किया तथा इसे धार्मिक पर्यटन से जोड़ा। लोगों का अपनी विरासत के प्रति सम्मान बढ़ने के साथ पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी है। नमामि गंगे योजना से पवित्र नदियों की सफाई अभियान के साथ जल संरक्षण की परम्परा विकसित हो रही है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने मध्यप्रदेश में विकास के साथ विरासत के संकल्प को आत्मसात किया और भव्य और दिव्य महाकाल महालोक का निर्माण किया। श्रीराम वन गमन पथ, श्रीकृष्ण पाथेय निर्माण और विक्रमोत्सव का आयोजन किया है। प्रदेश को केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल रिवर लिंक परियोजनाओं की सौगात मिली है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए श्री मोदी जी ने लोकल फॉर वोकल और ग्लोबल का आह्वान किया। मध्यप्रदेश में हमने प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों के अनुरूप उद्योग स्थापित करने का नवाचार प्रारंभ किया है। इसके लिए पहले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव फिर महानगरों और विदेशों में रोड शो तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता के बाद अब सेक्टर आधारित समिट के विस्तार का उपक्रम शुरू किया है। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा।

श्री मोदी जी ऐसे युगदृष्टा हैं जिन्होंने आधारभूत समस्याओं के समाधान और विरासत को सहेजने के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान की भी नई उड़ान भरी है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक विकसित करने का आह्वान किया था जिसने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र (इसरो) के वैज्ञानिकों से स्वयं चर्चा की और आवश्यक बजट तथा सुविधाएं उपलब्ध करवाई। इसका परिणाम यह है कि भारत की अंतरिक्ष अनुसंधान तकनीक विश्व में अग्रणी बनी और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। कनेक्टिविटी से विकास को गति प्रदान करने के लिये प्रधानमंत्री जी ने सड़क और रेल नेटवर्क का विस्तार, 23 शहरों में मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति, बंदरगाह, हवाई मार्ग, हाई स्पीड कॉरिडोर निर्माण के लक्ष्य को स्वरूप प्रदान किया है। अटल टनल और दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज चेनाब आकार ले चुका है।

प्रधानमंत्री जी का संकल्प है स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। उनके आशीर्वाद और सहयोग से मध्यप्रदेश प्रगति के साथ नया इतिहास रच रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री जी के नये भारत निर्माण लक्ष्य को सार्थक करने में मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका रहेगी।

भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि आज

ब्रिटिश सत्ता को दी चुनौती, आदिवासी समाज के कल्याण के लिए जीवन समर्पित

श्रुति कुशवाह

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा की आज 125वीं पुण्यतिथि है। बिरसा मुंडा सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नहीं रहे, बल्कि उन्होंने भारत में आदिवासी अधिकारों की चेतना का शंखनाद भी किया। उन्होंने बीस साल की उम्र से ही हजारों आदिवासियों को एकजुट किया। ब्रिटिश सरकार को आदिवासी क्षेत्रों में सुधारों के लिए मजबूर किया और उनसे प्रयासों ने छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट लागू करने में अहम भूमिका निभाई।

यह दिन सिर्फ उनकी वीरता और बलिदान को स्मरण करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके विचारों और संघर्ष को समझने का भी है। जनजातीय गौरव, आदिवासी समाज के आत्मसम्मान और जल-जंगल-जमीन जैसे प्राकृतिक अधिकारों के लिए उनके नेतृत्व में हुए आंदोलन आज भी प्रासंगिक हैं और इस बात को समझने और उसे आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का दिन भी है।

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा की आज 125वीं पुण्यतिथि है। बिरसा मुंडा सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नहीं रहे, बल्कि उन्होंने भारत में आदिवासी अधिकारों की चेतना का शंखनाद भी किया। उन्होंने बीस साल की उम्र से ही हजारों आदिवासियों को एकजुट किया। ब्रिटिश सरकार को आदिवासी क्षेत्रों में सुधारों के लिए मजबूर किया और उनसे प्रयासों ने छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट लागू करने में अहम भूमिका निभाई।

वे एक कुशल वक्ता और कवि थे और उनके विचार कई लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने। बिरसा मुंडा के विचार आज के समय में भी आदिवासी अधिकारों, सामाजिक समानता और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं। आज उनकी पुण्यतिथि पर देशभर में कई आयोजन हो रहे हैं।भगवान बिरसा मुंडा- स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आदिवासी चेतना तक

झारखंड के खूंटी के उलिहातू गांव में 15 नवंबर 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा को 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के नाम से जाना जाता है। बिरसा मुंडा भारत के एक प्रसिद्ध आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया और आदिवासियों को उनके अधिकारों के लिए जागरूक किया। इसीलिए उन्हें भगवान कहा जाता है। उन्होंने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और सामाजिक अन्याय के खिलाफ ऐतिहासिक विद्रोह 'उलगुलान' का नेतृत्व किया।

भगवान बिरसा मुंडा ने बीस वर्ष की आयु में ब्रिटिश शासन और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समुदाय को संगठित किया। उन्होंने 'बिरसाइत' नामक धर्म की स्थापना की जो एकेश्वरवाद पर आधारित था और आदिवासी समाज में अंधविश्वासों को दूर करने पर जोर देता था। उनके नारे, ÷अबुआ राज सेतेर जना, महारानी राज टुंडू जना÷ (हमारा राज्य स्थापित हो, महारानी का राज्य समाप्त हो) ने आदिवासियों में स्वशासन की भावना जगाई।

आज भी प्रासंगिक हैं उनके विचार

बिरसा मुंडा ने आजीवन जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और मुंडा जनजाति को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने के लिए जागरूकता फैलाई। 9 जून 1900 को रांची जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। भगवान बिरसा मुंडा की विरासत आज भी आदिवासी समुदायों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं। आज देशभर में उनकी स्मृति में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

आलोचना और अपमान से शिखर पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 11 वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत ही नहीं संभवता विश्व के पहले राजनेता होंगे जो लगातार 23 वर्ष से सत्ता में है 2002 से 20014 तक लगातार गुजरात के मुख्यमंत्री और 2014 से आज लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर 11 वर्ष पूरे कर लिए है आज उनके मुकाबले कोई नेता भारत ही नहीं विश्व में दिखाई नही दे रहा है विश्व लोकप्रियता में भी 76 प्रतिशत मत लेकर पहले नम्बर पर है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मविश्वास दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव को दर्शाता है

उनकी सबसे बड़ी विशेषता चुनौती को चुनौती से निर्भय होकर सामना करना है और प्रत्येक कार्य को जल्दबाजी में न कर योजनाबद्ध तरीके से करना है आलोचना से अंशमात्र भी विचलित नहीं होते और अपमान को सफलता का पैमाना मानते है उन्हे खून का सौदागर कहा गया चौकीदार चार कहा गया कायर कहा गया नीच कहा गया और अब राहुल गांधी ने नरेंदर सरेंडर कह के

कांग्रेस और स्वयं की ही गरिमा गिरा ली है प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा की चट्टान पर अपमान की चोट का कोई असर नहीं हो रहा उल्टा चोट करने वाला ही चोटग्रस्त हो जाता है आसमान की तरफ थूकने का परिमाण स्वयं को गंदा करना होता है यही कारण है कि प्रधानमंत्री पर कोई भी अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी का जनमानस पर कोई असर नहीं होता और नरेंद्र मोदी प्रभावी और लोकप्रिय हो रहे है आज उनके सामने विपक्ष बोना ही नजर दिखाई दे रहा है क्योंकि नकारात्मक विरोध से देश की जनता सहमत नही हो रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशहित के निर्णय और विदेशनीति के प्रभावशाली निर्णय ने भारत की प्रतिष्ठा विश्व में स्थापित की हैं और आज हम चौथी अर्थव्यवस्था के करीब है यह नरेंद्र मोदी का ही करिश्मा है

मोदी जी के ग्यारह वर्ष : समृद्ध और सशक्त भारत की ऊँची उड़ान

रमेश शर्मा

प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बहुआयामी विकास की नई उड़ान भरी है। उनकी नीतियों और निर्णयों से आत्मनिर्भर भारत निर्माण को नई गति मिली है। समृद्धि, सशक्त के साथ वैश्विक सम्मान भी बढ़ा है। भारत ने विश्व की चौथी अर्थ व्यवस्था का स्थान अर्जित कर लिया है।

नरेंद्र मोदी ने भारत के पन्द्रहवें प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2014 को पहली बार और 9 जून 2024 को अपनी तीसरी पारी केलिये प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुये उन्होंने ग्यारह वर्ष पूरे कर लिये हैं। वे देश पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनका जन्म स्वतंत्रता के बाद हुआ। मोदीजी अतिसामान्य परिवार की पृष्ठभूमि से आते हैं। राजनीति में उनका कोई ÷गॉड फादर÷ भी नहीं था। एक सामान्य परिवार की पृष्ठभूमि से आने वाले किसी व्यक्ति केलिये ऐसी यात्रा दुर्लभ होती है। यह उनकी श्रम साधना, मिले हुये कार्य के प्रति समर्पण ही है कि अपने समय के भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता श्री लालकृष्ण आडवानी ने अपनी रथयात्रा केलिये सारथी के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी को ही चुना। इसी यात्रा ने उनकी दिशा बदली और उन्हें एक ऐसी राह मिली जिससे वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने और अब भारत के प्रधानमंत्री हैं। मोदीजी की इस सफलता के मूल में उनका पुरूषार्थ, परिश्रम, प्रतिभा और प्रज्ञा शक्ति है। बचपन से लेकर आजतक न तो उनकी संकल्पशीलता बदली और न जीवन शैली। आध्यात्म की ओर जैसा झुकाव बालवय में था। वैसा ही झुकाव आज भी है। प्रधानमंत्री रहते हुये भी वे वर्ष में एक बार एकांत साधना करते हैं। उनके आत्मविश्वास और संकल्प शक्ति की अति दृढ़ता का आधार उनकी यही साधना है। संसार में वही व्यक्ति अपना विशिष्ट स्थान बनाता है जो लीग से अलग हटकर काम करता है। मोदीजी इसकी झलक ग्यारह वर्ष पहले ही दे दी थी। उन्होंने संसद भवन की सीढ़ियों को नमन करके प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पारी की शुरुआत की थी। संसद की सीढ़ियों को नमन् करने वाले वे देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। इस नमन् ने उन्हें भारत के सभी प्रधानमंत्रियों से अलग पहचान दी। उनकी यह अलग पहचान उनके हर निर्णय में भी झलकती है। पहली बार शपथ ग्रहण के साथ उन्होंने जो संकल्प व्यक्त किया था, अपनी भावी यात्रा के जो संकेत दिये थे। वे आज भी उस पर कायम हैं। इन ग्यारह वर्षों के कार्यकाल में कितने ही उतार चढ़ाव आये, कितने तनाव आये। उनपर व्यकितगत राजनैतिक हमले भी सतत रहे पर वे कभी विचलित नहीं हुये। अपनी नीति और निर्णय पर सदैव अडिग रहे। उन्होने सिद्धांत से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कुछ निर्णय तो ऐसे लिये हैं जिनकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। उनके अभूतपूर्व निर्णयों में एक कश्मीर से धारा 370 को हटाना है। जब धारा 370 को हटने की बात चली तब कश्मीर के कितने ही नेताओं ने खून की नदिया बहने की चेतावनी दी थी। लेकिन मोदीजी बिल्कुल बिचलित नहीं हुये और धारा 370 से कश्मीर मुक्त हो गया। यह धारा कश्मीर को भारत की अभिन्नता से दूर कर रही थी। इसके हटने से कश्मीर से भारत का एकत्व प्रमाणित हुआ। मोदी जी का दूसरा बड़ा निर्णय शरणार्थी नागरिकता कानून ष्ट है। इसके अंतर्गत भारत के सभी पड़ौसी देश बंगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, चीन नेपाल आदि से आये ऐसे शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान है जिन्हें धार्मिक आधार पर उन देशों में प्रताड़ित किया गया है। इस कानून का लाभ उन सिंध प्रांत के उन शरणार्थियों को भी मिला जो बँटवारे के समय भारत आये थे। मोदी के नेतृत्व में काम कर रही इस सरकार का एक बड़ा निर्णय मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाने का है। इस कानून के माध्यम से सरकार ने धार्मिक परंरपरा में हस्तक्षेप किये बिना इसके दुरुपयोग पर रोक लगाई है। कुछ लोग इस प्रावधान का दुरुपयोग कर रहे थे और वाट्सअप, फोन अथवा टेलीफोन पर ही तीन बार

तलाक कहकर महिलाओं को छोड़ रहे थे। इसका पीड़ित मुस्लिम महिलाओं ने स्वागत किया। इसी श्रृंखला में सरकार ने बक्फ संशोधन विधेयक लाकर इसके भी दुरुपयोग पर रोक लगाई। पुराने बक्फ कानून की आड़ में भूमि पर कब्जा करने की शिकायतें आ रही थीं। इस बक्फ संशोधन विधेयक से अब बक्फ संपत्ति का मुस्लिम समाज के कल्याण में उपयोग हो सकेगा।

मोदीजी का दृढ़ता का परिचय दोनों सर्जिकल स्ट्राइक और एक एयर स्ट्राइक में मिला। बालाकोट के बाद हुये सिन्दूर स्ट्राइक ने भारत का मान पूरी दुनियाँ में बढ़ाया। भारत ने पाकिस्तान के नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया और सौ से अधिक आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा। पहलगांव में आतंकवादियों ने जिस प्रकार महिलाओं को सामने खड़ा करके उनका सिन्दूर उजाड़कर मनोबल तोड़ने का प्रयास किया। इसीलिये इस अभियान का नाम ÷सिन्दूर आपरेशन÷ रखा और महिला सैन्य अधिकारियों को ही आगे किया। मोदीजी ने भारत राष्ट्र की स्वतंत्रता और संस्कृति रक्षा केलिये बलिदान होने वाले महानायकों के स्मरण का अभियान चलाया। तथा उनके जीवन परिचय को पाठ्यक्रम में जोड़ने की योजना लागू की।

एक समृद्ध और सशक्त राष्ट्र निर्माण केलिये मोदी ने द्द4ड्डठ्ठ का सम्मान एक मंत्र दिया है। इसमें गाँव-गरीब, युवा, किसान और महिला हैं। उनकी ये अधिकांश नीतिया इस समूह की समोन्नति के लिये है। विशेषकर स्टार्टअप से युवाओं में स्वरोजगार के प्रति जाग्रति आई है।

विरासत सहेजने और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की आधारभूत समस्याओं के समाधान कारक कदम उठाने के साथ उन्होंने विकास को नये आयाम देने केलिये भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान को भी नई उड़ान दी। इसके लिये उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र संगठन इसरो के वैज्ञानिकों से मीटिंग की। उनके अनुसार बजट और अन्य सुविधाएँ बढ़ाने के आदेश दिये। यह इसी का परिणाम है कि आज भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान की तकनीकि में संसार को पीछे छोड़ दिया है। उपग्रहों के प्रक्षेपण और चंद्रयात्रा में हमारी तकनीकी सबसे किफायती है। इसकी प्रशंसा नासा ने भी की। यह मोदीजी के प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि भारत अपने मंगल ऑर्बिटर मिशन के अंतर्गत मंगल की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बना। भारत का अभियान अपने पहले ही प्रयास में सफल हुआ। यह भी दुनियाँ में एक कीर्तिमान बना। भारत के क्षेत्रीय उपग्रह नेविगेशन, गगनयान मिशन के साथ वाणिज्यिक प्रक्षेपण में भी कदम बढ़ा लिये हैं। मोदीजी ने वैज्ञानिकों को स्वदेशी तकनीक विकसित करने का आव्हान किया। यह इसी का कारण है कि हमारी लागत विशव के लगभग सभी देशों से कम है ।इसके चलते पूरी दुनियाँभारत की ओर आकर्षित हुई और इसरो ने 300 से अधिक विदेशी उपग्रह प्रक्षेपित किये। इनमें ब्रिटेन जैसे देश भी शामिल हैं। अपने मंगल ऑर्बिटर मिशन के अंतर्गत भारत मंगल की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बना और पहले ही प्रयास ऐसी सफलता प्राप्त करने वाला दुनियाँ का पहला देश। उनके प्रोत्साहन से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो को एक नयी ऊर्जा मिली। जिससे इसरो ने 15 फरवरी 2017 को एक ही बार में 104 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजकर नया विश्व इतिहास रचा। इससे पहले यह रिकॉर्ड रूस के नाम था। 2019 में भारत ने अपने स्वदेशी लॉन्चर त्तस्ङ्क स्न्ब्ढ्ढद्ध का उपयोग करके अपना चंद्रयान-2 लॉन्च किया। क्रायोजेनिक तकनीक में अपनी क्षमता और पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ भारत आने वाले वर्षों में चंद्रमा पर मानवयुक्त मिशन के लिए काम कर रहा है। इसरो ने अब 2028 तक तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की योजना बनाई है। यह नये भारत की विकास यात्रा है।

मोदीजी ने लोकल फॉर वोकल और ग्लोबल÷ का आव्हान भी किया। उनका उद्देश्य केवल अर्थ व्यवस्था में सुधार करना भर नहीं हैं। मोदी जी ने एक ऐसे भारत की कल्पना की है जो न केवल अपनी आवश्यकता का स्वयं उत्पादन करे अपितु निर्यातक भी बने। एक समय था जब भारत बंदूक ही नहीं बंदूक की गोलियाँ भी आयात करता था। भारत के सभी रक्षा उपकरण आयात करना होते थे। किन्तु अब निर्यातक देश बन गया है। जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया वह भारत का स्वदेशी उत्पाद है।

मोदी ने स्वयं को प्रधानमंत्री के रूप में नहीं अपितु प्रधान सेवक के रूप में प्रस्तुत किया। उनके कार्यकाल के ये ग्यारह वर्ष सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की नींव है। मोदीजी के विकास के जिस मार्ग पर भारत चल पड़ा है इसकी मंजिल वही है जहाँ पूरी दुनियाँ में भारत की पहचान विश्व गुरु और सोने की चिड़िया के रूप में होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नक्सलियों के ब्लास्ट में कोंटा के आकाश राव शहीद, थाना प्रभारी और एसडीओपी घायल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में रविवार को कोंटा थाना क्षेत्र के फंडीगुड़ा के पास नक्सलियों ने ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट कर पुलिस अफसरों के काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में कोंटा के सहायक पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत अस्पताल लाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह ब्लास्ट बेहद सुनियोजित तरीके से किया गया था। नक्सलियों ने पहले से ही रास्ते में बम प्लांट कर रखा था और जैसे ही अफसरों की गाड़ी उस इलाके में पहुंची, ब्लास्ट कर दिया गया। ब्लास्ट की चपेट में आकर स्क्की गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

कोंटा क्षेत्र के फंडीगुड़ा के पास हुए ब्लास्ट में कोंटा के एएसपी आकाश राव गिरपुंजे शहीद हो गए हैं, जबकि थाना प्रभारी सोनल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हमला उस समय हुआ जब पुलिस का काफिला गश्त पर था।

हत्या के दो आरोपियों को पथरिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज। पुराने विवाद के चलते मारपीट घटना घटित हुई थी गंभीर चोटें आने के कारण इलाज क दौरान हरि सिंह की मृत्यु हो गई थी इस घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी फरार थे जिनको पथरिया पुलिस ने मुखविंदर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया घटना की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ऋतुराज ने बताया 26 मई को फरियादी सुनील अहिरवार द्वारा सूचना दी गई थी कि उसके भाई हरिसिंह को ग्राम थनर पुर में पुरानी रंजिश के चलते अशोक अहिरवार एवं अहिरवार ने बुरी तरह मारपीट करके गंभीर रूप से घायल कर दिया सिर, पेट एवं हाथों में चोट आई इसके बाद घायल को पहले सिरोंज के अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने रेफर कर दिया उसके बाद परिजन हमीदिया अस्पताल भोपाल लेकर गया उपचार दोनों मृत्यु हो गई।

मंत्री लोधी ने 40 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन

दमोह। जबेरा विधानसभा अंतर्गत जनपद तेंदूखेड़ा के ग्राम हर्रई में 25 लाख एवं बैलढाना रैयत में 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का स्थानीय विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी राज्यमंत्री (स्वतंत्र

प्रभार) ने भूमिपूजन किया है मंत्री लोधी ने कहा किनिश्चित ही इस भवन के निर्माण से ग्राम के लोगों को सामाजिक कार्यों के लिए उपयुक्त साबित होगा।मैनें देखा है गांव के लोगों को विवाह शादी करने में बहुत परेशानी होती है।क्योकि पहले के समय में गांव के स्कूलों में बारात रुक जाती थी।लेकिन अब बारात के लिए स्कूल मिलना बंद हो गए है।इसलिए मैनें संकल्प लिया कि विधानसभा के प्रत्येक ग्राम में एक सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएं जिससे शादी विवाह के साथ अन्य सामाजिक कार्य संपन्न हो सके।अभी तक विधानसभा में ऐसे 40 भवनों की स्वीकृती हो चुकी और आने वाले समय में और भवनों की स्वीकृत प्रदान की जाएगी।

नौसिखिया अध्यक्ष साबित हो रहे हैं ज्ञानचंद- शफीक खान

सिवनी। जनता द्वारा निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष शफीक खान को सत्ता का दुरूपयोग कर पद से प्रथक तो करा दिया, किन्तु कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद ज्ञानचंद सनोडिया नगरपालिका चलाने में नौसिखिएं साबित हो रहे हैं या फिर उनकी अर्थलोलूपता के चलते नगरपालिका पटरी से उतर गई है। नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष शफीक खान ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि जब से ज्ञानचंद सनोडिया कार्यकारी अध्यक्ष बने है तब से नगरपालिका सिवनी में लगातार नलो से गंदा पानी रहा है। पार्षदों से झूठ बोला गया कि माचागोरा डेम से पानी आने से पानी गंदा आ रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि सिवनी, बंडोल श्रीवनी जलशोधन यंत्र में पानी को साफ करने वाली एलम ब्लीचिंग पाउडर की मात्रा कम मिलाई जा रही है, नगरपालिका में जलप्रदाय के कर्मचारियों से जब पूछा गया, क्या कारण है कि एलम बिलिचिंग पाउडर की मात्रा कम मिलाई जा रही है तब उन्होंने बताया कि ठेकेदार द्वारा एलम ब्लीचिंग की आपूर्ति बंद कर दी गई है। श्री खान आगे बताया कि प्रश्न यह उठता है कि नगरपालिका में पूर्व में एलम ब्लीचिंग क्रय करने का एक वर्ष का सप्लाई आर्डर ठेकेदार को दे दिया गया था, ठेकेदार द्वारा लगभग 35 टन माल सप्लाई भी किया गया, फिर अचानक ज्ञानचंद सनोडिया के कार्यकारी अध्यक्ष बनते ही ठेकेदार द्वारा एलम ब्लीचिंग की सप्लाई क्यो बंद की गई।

35 से 45 साल के नेताओं के मिलेगी जिला कांग्रेस की कमान

मंगलवार से उतरेंगे 250 नेता संगठन सृजन करने में

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस ने तय कर लिया है कि अब जिला अध्यक्ष की कमान उम्रदराज नेताओं के हाथों में नहीं देना है। दिल्ली से लेकर भोपाल तक हुए विचार विमर्श के बाद यह निर्णय हुआ है कि अब कांग्रेस जिलों की कमान 35 से 45 साल के उम्र तक के नेताओं को देगी। संगठन सृजन के जरिए कांग्रेस अपनी लीडरशिप की पीढ़ी बदलने भी जा रही है, यानि अब रेस में कांग्रेस की ओर से हर जिले में युवा नेता ही दौड़ेंगे। प्रदेश भर में मंगलवार से लगभग ढाई सौ नेता संगठन सृजन करने के लिए मैदान में उतरने जा रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीन जून को भोपाल में संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद दिल्ली और भोपाल में यह तय किया गया है कि

इस संगठन सृजन के लिए जरिए जिलों में पीढ़ी परिवर्तन किया जाए। इसके चलते गाईड लाइन बनाई गई कि जिलों में 35 से 45 साल तक की उम्र के ही नेताओं के नाम जिला अध्यक्षों के लिए तैयार की जाने वाली पैनल में ऑब्जर्वर रखें। हालांकि इसमें गुंजाइश भी रखी गई है, यदि किसी जिले में 35 से 45 साल की उम्र का कोई नेता ज्यादा सक्रिय नहीं मिला, तो फिर यह पद 50 साल तक की उम्र के नेता को दिया जा सकता है। दिल्ली ने यह निर्देश दिए है कि ऐसी स्थिति एक-दो जिलों में तो चला ली जाएगी, लेकिन ज्यादा जिलों में 45 साल से ज्यादा की उम्र वालों को जिला अध्यक्ष का पद नहीं दिया जाएगा। इसलिए पर्यवेक्षक का प्रयास रही रहेगा कि वे 45 साल तक के नेताओं के नाम ही पैनल में रखेंगे।

ऐसे होगी जिला अध्यक्ष की तलाश

एआईसीसी ने 61 ऑब्जर्वर बनाकर मध्य प्रदेश में भेजे हैं। सभी को एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने तीन-तीन प्रभारी बनाए हैं। करीब 240 नेता प्रदेश कांग्रेस में संगठन सृजन का काम 10 से 30 जून तक करेंगे। हर जिले में जिला अध्यक्ष के लिए पैनल बनाया जाएगा, पैनल में 2 से 6 नाम तक दिए जा सकते हैं। यह पैनल एआईसीसी को भेजा जाएगा।

सरकारी अनाज खरीदी, भंडारण में करोड़ों का गोलमाल, 4 जिलों में एफआईआर, जबलपुर का पूर्व जिला प्रबंधक 2 माह से फरार

भोपाल। समर्थन मूल्य पर गेहूं और धान सहित अन्य अनाजों की खरीदी में मैदानी स्तर पर जमकर गोलमाल हो रहा है। कहीं फर्जी खरीदी तो कहीं, मिलावटी और पानी में भीगे अनाज का भंडारण किया जा रहा है। जबलपुर में तो धान खरीदी में परिवहन में उपयोग किए वाहनों के जो नंबर दिए उसमें मोटर सायकल तक से परिवहन बता दिया गया।

चार जिलों अशोकनगर, दतिया, शाजापुर और जबलपुर में करोड़ों के अनाज खरीदी, भंडारण, परिवहन में हुए गोलमाल के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। जबलपुर में फर्जी धान खरीदी के मामले में आरोपी तत्कालीन जिला प्रबंधक दिलीप किरार स्र्ढ्ढक्रहोंने के बाद दो महीने से फरार चल रहा है और पुलिस भी उसे नहीं ढूंढ पा रही है।

अशोकनगर में गेहूं, चना और मसूर उपार्जन में अनियमितताएं सामने आने के बाद स्र्ढ्ढक्रदर्ज कराई गई है। यहां के सेवा सहकारी समिति नादनखेड़ी श्रीराम वेयरहाउस की जांच में पाया गया कि यहां टैग पर किसान कोड अंकित नहीं था और केन्द्र पर पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिली थी। यहां 3261 क्विंटल स्टैक लग चुका था लेकिन हेंडलिंग चालान नहीं बना था। यहां समिति प्रबंधक द्वारा समय पर आरटूटी नहीं कने, हेंडलिंग चालान समय पर नहीं बनाये जाने और गेहूं में स्टैक न लगाकर ढेर लगाने जैसी अनियमितताओं में आरोपी सेवा सहकारी समिति नादनखेड़ी के समिति प्रबंधक जगदीश कोरकू को निलंबित कर दिया गया है। सेवा सहकारी समिति डोंगर थूबोन में ग्राम बडेरा में उपखंड स्तरीय उपार्जन समिति की जांच में ग्राम बडेरा में तीन अलग-अलग स्थानों से शासकीय उपार्जन के बारदानों में चार सौ कटटे पाये गए मौके पर दो अन्नदूत वाहन इसके परिवहन का उपयोग करते पाए गए। गोदाम में 3 हजार 277 क्विंटल गेहूं गायब मिला।

इस मामले में समिति प्रबंधक प्रमोद कोली, कप्यूटर ऑपरेटर जयदेव कोली, अन्नदूत वाहन चालक चालीराजयादव, हरिराम यादव, अरविंद लोधी, पवन झा, हामिद अली और ओमकार लोधी के विरुद्ध स्र्ढ्ढक्रदर्ज कराई गई है।क्रांति स्व सहायता समूह ग्राम करैया बुद्धू द्वारा संचालित गेहूं उपार्जन केन्द्र विकास वेयरहाउस ग्राम शहबाजपुर 204 क्विवंटल गेहूं मौके पर भंडारित नहीं मिला। सेवा सहकारी समिति ईसागढ़ बालाजी वेयर हाउस में निरीक्षण में 26038 क्विंटल गेहूं का सत्यापन किया तो 27.50 क्विंटल गेहूं अधिक पाया गया यहां बालाजी वेयरहाउस में 11225 क्विंटल मसूर पाया गया। उपार्जन केन्द्रों का नियमित निरीक्षण नहीं करने पर वष्ठि कृषि विकास अधिकारी विकासखंड ईसागढ़ को निलंबित किया गया है। मुस्कान वेयरहाउस में कम्प्यूटर ऑपरेटर ने ट्रक चालान जनरेट किया और 600 क्विंटल गेहूं का परिवहन नहीं गया या और न ही गोदाम में जमा किया गया समिति प्रबंधक सेवा सहकारी समिति भैंसरवास और परिवहन कर्ता को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।दतिया में 24 केन्द्र प्रभारियों ने 28 लाख मूल्य का 1 हजार 78 क्विंटल गेहूं का गबन किया है। नौ हजार से अधिक किसानों से गेहूं खरीदने के बाद निगम के गोदामों तक नही पहुंचा। खरीदी केन्द्रों ने शासन से डेढ़ करोड़ रुपए कमीशन भी प्राप्त कर लिया है। खाद्य विभाग ने यहां एफआईआर दर्ज कराते हुए गबन किए गेहूं की वसूली शुरु की है। 24 सोसायटियों ने 1 हजार78 क्विंटल गेहूं कम जमा कराया है। पंडोखर इमलिया में मिट्टी मिला औ ग्राम परासरी के शांति वेयर हाउस में पठरा खीद केन्द्र में बारिश में भीगा बारह सौ क्विंटल गेहूं जमा करा दिया। शाजापुर जिले में भी खरीदे गए गेहूं का स्टॉक काफी कम मिला है।ऑनलाईन अनाज ज्यादा दिख रहा है और भौतिक सत्यापन में कम पाया गया है यहां भी एफआईआर कराते हुए दोषियों पर कार्यवाही की जा रही है।

गाडरवारा विधानसभा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में दिखी गुटबाजी

मंच प्लान से जिले के मंत्री प्रहलाद पटेल एवं विधायक महेंद्र नागेश, महिला जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का नाम भी नहीं

नरसिंहपुर। केंद्र में मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर गाडरवारा में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का आज 9 जून को कार्यक्रम था, कार्यक्रम के मंच प्लान से जिले के ही दो विधायक प्रहलाद सिंह पटेल नरसिंहपुर एवं महेंद्र नागेश गोटेगांव का नाम गायब कर दिया गया। इसके अलावा महिला आदिवासी जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति काकोरिया एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर का नाम भी नहीं है। नरसिंहपुर से विधायक प्रहलाद सिंह पटेल मध्य प्रदेश सरकार में वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हैं।

मंच प्लान

HON'BLE VICE-PRESIDENT OF INDIA'S PROGRAM
for
CHIEF GUEST AT THE KRISHI UDYOG SAMAGAM
DATE : MAY 24, 2025
VENUE: NEAR AGRICULTURAL MARKET, NARSINGHPUR

1. Shri Jagdeep Dhankhar, Hon'ble Vice-President of India
2. Dr. (Smt.) Sudesh Dhankhar, Spouse of Hon'ble Vice-President of India
3. Shri Mangubhai C. Patel, Hon'ble Governor of Madhya Pradesh
4. Shri Mohan Yadav, Hon'ble Chief Minister of Madhya Pradesh
5. Shri Prahlad Singh Patel, Cabinet Minister, Panchayat and Rural Development, Madhya Pradesh
6. Shri Rao Uday Pratap Singh, Cabinet Minister, Transport and Education Department, Madhya Pradesh
7. Shri Edal Singh Kanshana, Cabinet Minister, Farmers Welfare and Agriculture Development, Madhya Pradesh
8. Shri Govind Singh Rajput, Cabinet Minister, Food, Civil Supplies and Consumer Protection and Minister in Charge, Narsinghpur
9. Shri Narayan Singh Kushwaha, Cabinet Minister, Social Justice and Disabled Welfare, Madhya Pradesh
10. Shri Chetan Kashyap, Cabinet Minister, Micro Small and Medium Enterprises, Madhya Pradesh
11. Shri V.D. Sharma, Member of Parliament, Lok Sabha
12. Shri Faggan Singh Kulaste, Member of Parliament, Former Union Minister
13. Shri Darshan Singh, Member of Parliament, Lok Sabha
14. Shri Maya Naraulia, Member of Parliament, Rajya Sabha
15. Shri Vishwanath Singh, MLA
16. Shri Mahendra Nagesh, MLA
17. Smt. Jyoti Kakodiya, District Panchayat President
18. Shri Ramsanehi Pathak, District President BJP

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्यक्रम में भी नरसिंहपुर जिले की भाजपा में गुटबाजी नजर आई। जिले के तेंदूखेड़ा से विधायक मुलायम सिंह पटेल का नाम मंच प्लान में था, पर दो विधायकों का नाम मंच प्लान में नहीं होना क्षेत्र में एवं पार्टी में चर्चा का विषय बना हुआ है। इससे पहले नरसिंहपुर जिले में कृषि मेले के आयोजन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए थे, उस समय मंच प्लान में जिले के सभी चारों विधायकों, जिला पंचायत अध्यक्ष- उपाध्यक्ष एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का नाम भी शामिल था। गोटेगांव विधानसभा नरसिंहपुर जिले में है, लेकिन ये मंडला लोकसभा संसदीय क्षेत्र में आती है।

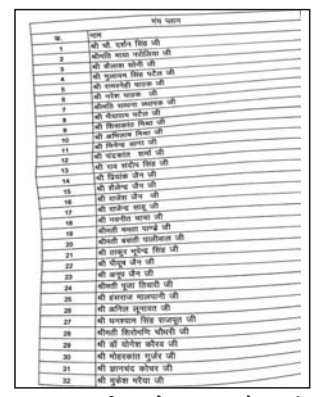

लिस्ट एवं फ्लेक्स से गायब हुए जिले के कई जनप्रतिनिधि- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गाडरवारा आगमन के अवसर पर बनी अतिथि लिस्ट से जिले के कई जनप्रतिनिधियो के नाम गायब कर दिए गए इतना है नहीं वही मुख्यमंत्री के स्वागत में लगे फ्लेक्स से भी कई जनप्रतिधियों विधायकों की फोटो गुटबाजी और अपने नेताओं को खुश करने गोल कर दिए गए।

चंद घंटों में हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

औबेदुल्लागंज। 6 जून को ग्राम तामोट निवासी हल्कीबाई पति मदनलाल जाटव उम्र 65 वर्ष द्वारा थाना औबेदुल्लागंज में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि पुराने विवाद को लेकर मोनू जाटव, विक्की जाटव एवं अरविंद जाटव द्वारा गाली-गलौज कर हमला किया गया। आरोपियों ने कुल्हाड़ी और डंडों से फरियादिया, उनके पति मदनलाल एवं पुत्र रामस्वरूप के साथ मारपीट की, जिससे गंभीर चोटें आईं। सभी ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना में गंभीर रूप से घायल मदनलाल जाटव का इलाज हमीदिया अस्पताल, भोपाल में चल रहा था, जहाँ दिनांक 07.06.2025 को उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक रायसेन पंकज कुमार पांडेय द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे एवं एसडीओपी औबेदुल्लागंज शीला सुराणा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक बी.पी. सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

किसानों को वैज्ञानिकों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री की यह अभिनव पहल है: सांसद

दमोह। संसदीय क्षेत्र की हटा विधानसभा में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत - देवरी फतेहपुर में सम्मिलित होकर किसानों से संवाद किया। यह राष्ट्रव्यापी अभियान किसानों को खेत से विज्ञान तक जोड़ने के साथ-साथ आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी सीधे गाँव-गाँव तक तेजी से पहुंचाने का कार्य करेगा, जिससे आत्मनिर्भर किसान एवं समृद्ध भारत का निर्माण संभव हो सकेगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष डॉ. राम कृष्ण कुसमरिया,विधायक उमादेवी लालचन्द्र खटीक,जिला उपाध्यक्ष चंद्रभान पटैल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष हरिश्चन्द्र पटैल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष भोले सराफ जी, जनपद अध्यक्ष गंगाराम पटैल, मंडल अध्यक्ष, पार्टी के देवतुल्य ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी, स्थानीय किसान, अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

अवैध संचालित हो रहे हैं मैरिज गार्डन, पार्किंग नहीं होने से जाम से आम जान हो रहे परेशान

सिरोंज। नगर तारो तरफ अवैध रूप मैरिज गार्डन संचालित हो रहा है। इनकी जानकारी होने के बाद भी प्रशासन के जिम्मेदारियां अधिकारियों के द्वारा कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति कर दी जाती है। इस वजह से इन पर कोई बंदिश नहीं लग पा रही अपनी मनमर्जी से यहां संचालित हो रहे हैं।शहर में संचारित होने वाले अधिकांश गार्डन के पास वाहन पर्किंस की व्यवस्था नहीं होने से आम जनता को जरूर अयोध्या में आने वाले लोग सड़क के दोनों तरफ वाहनों को खड़ा कर देते हैं इस वजह से जाम की स्थिति निर्मित होती है। शहर के मुख्य मार्गो पर संचालित होने वाले मैरिज गार्डन और भी ज्यादा समस्या उत्पन्न होती है जिस दिन यहां पर शादी होती उस दिन रात्रि में इन मार्गो से निकलना

मुश्किल होता है। घंटो जाम के कारण वाहन चलाने की जगह पर रेंगते हुए नजर आते हैं। सबसे बड़ी समस्याएं होती की जाम सब फंस जाते है एंबुलेंस गाड़ी भी नहीं निकाल पाती है इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदारी अधिकारी इस ध्यान नहीं दे रहे हैं।विगत में पहले कुछ गार्डन को सील करने की करवाई करके खाना पूर्ति कड़ी थी अगले दिन ही इनमें आयोजन संपन्न हो रहे थे। इस वजह से इनकी मनमानी से आम जनता परेशानी रही नगर पालिका प्रशासन से लेकर एसडीएम के द्वारा भी इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। समय रहते धरातल पर कदम नहीं उठाए गए तो किसी दिन गार्डन दुर्घटना भी घटित हो सकती है शायद उसके बाद ही जिम्मेदारी कार्रवाई करने के लिए धरातल पर कदम उठाएंगे। पिछले दिनो एक शादी में लिंक रोड पर जाम 2 घंटे तक लग रहा था इस वजह से एंबुलेंस भी नहीं निकाल पाई थी ऐसी तस्वीर आए आए दिन सामने आती है।

विश्व महासागर दिवस

पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से ही, जीवन एवं आजीविका के लिए इनका सरंक्षण जरूरी

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर योग साधकों को जल के महत्व के बारे में बताते हुए नदी, तालाब, समुद्र एवं महासागर के सरंक्षण के लिए जागरूक किया जाता है। मानव जीवन में महासागरों की महत्वपूर्ण भूमिका और इनके संरक्षण के लिए अनिवार्य प्रयासों के संबंध में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है।

योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि समुद्र का योग एवं अध्यात्म से गहरा सम्बन्ध है। समुद्र मंथन में छिपे जीवन उपदेश और इस पौराणिक कथा का आध्यात्मिक संबंध है। आध्यात्मिक रूप से देखा जाए तो समुद्र का अर्थ है शरीर, और मंथन से अमृत और विष दोनों निकलते हैं। इस कहानी के किरदार हमारे जीवन से मेल खाते हैं जैसे देवता सकारात्मक सोच और समझ को दर्शाते हैं वहीं असुर नकारात्मक सोच एवं बुराइयों के प्रतीक हैं। समुद्र हमारे दिमाग के समान दिखाया गया है, जिसमें कई तरह के विचारों एवं इच्छाओं की उत्पत्ति होती है और समुद्र की लहरों के समान यह भी समय-समय पर बदल जाती हैं। मंदार पर्वत, अर्थात मन और धार, पर्वत आपकी एकाग्रता को दर्शाता है, क्योंकि यह एक ही दिशा में सोचने की बात कहता है। कथा में कछुए यानी विष्णु जी ने अहंकार को हटा कर समुद्र मंथन का सारा भार अपनी पीठ पर लिया। ऐसे ही हमें भी अहंकार को हटा कर सबके हित में अथवा एकाग्रता की राह पर चलना चाहिए। विष या हलाहल जीवन से जुड़े दुःख और परेशानियों का प्रतीक है। विष को पीने वाले महादेव बाधाओं को दूर करना सिखाते हैं। शिव ने हलाहाल का पान किया और वह विष उनका कुछ बिगाड़ नहीं पाया, यह घटना दर्शाती है कि बाहरी मुसीबतों और जीवन की अन्य समस्याओं से बचने के लिए आपका भीतर से मजबूत होना बहुत आवश्यक है। आपके अंदर का साहस और तेज ही संघर्षो की राह को आसान कर सकता है। मोहिनी यानी ध्यान का भटकना, जो हमें हमारे लक्ष्य से दूर करता है।

समुद्र मंथन का प्रतीक दर्शन यही है कि परिस्थितियां कितनी भी बुरी क्यों न हों कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। कोई न कोई मार्ग अवश्य निकल आता है और स्थिति पहले जैसी हो जाती है। समुद्र के किनारे बैठकर ध्यान करने से मन शांत होता है और एकाग्रता बढ़ती है। समुद्र के किनारे प्राणायाम करने से शरीर और मन को ऊर्जा मिलती है। समुद्र के किनारे योग आसन करने से शरीर को लचीलापन और शक्ति मिलती है। समुद्र के किनारे बैठकर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने से आत्म-ज्ञान और आत्म-विकास होता है। समुद्र के किनारे ध्यान और चिंतन करने से जीवन के उद्देश्य और अर्थ को समझने में मदद मिलती है।

समुद्र का योग और अध्यात्म से संबंध हमें प्रकृति के साथ जुड़ने और आत्म-ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। समुद्र और योग का संबंध कई मायनों में है, जिसमें समुद्र तट पर योग करना, समुद्र की शांत लहरों का योग में शामिल होना और समुद्र के तत्वों का योग अभ्यास पर प्रभाव शामिल है। समुद्र तट पर योग करना एक लोकप्रिय अभ्यास है, जो प्रकृति के साथ जुड़ने और शांतिपूर्ण माहौल में योग करने का अवसर प्रदान करता है। समुद्र की लहरों की आवाज और हवा की ताज़गी योग अभ्यास को और भी शांत और आरामदायक बनाती है। यह अभ्यास शरीर और मन को शांत करने, तनाव कम करने और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। समुद्र तट पर योग करने से आप रेत, पानी और आकाश के साथ एक गहरा संबंध स्थापित कर सकते हैं। समुद्र की लहरें योग में गति और संतुलन का प्रतीक हैं।

समुद्र के तत्वों को योग अभ्यास में शामिल करने से आप अपनी योग यात्रा को और अधिक गहरा और अर्थपूर्ण बना सकते हैं। समुद्र में तैरना और योग करना दोनों ही शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं, जो लचीलापन, शक्ति और सहनशक्ति में सुधार करते हैं। समुद्र के खनिजों और सूर्य की किरणों का त्वचा के लिए भी लाभ होता है।

समुद्र तट पर योग करने से आप प्रकृति के साथ एक गहरा संबंध स्थापित कर सकते हैं और अपने जीवन में शांति और संतुलन ला सकते हैं। समुद्र मनुष्यों के लिए कई तरह से महत्वपूर्ण है, जो भोजन, परिवहन, व्यापार और मनोरंजन के लिए एक आधार प्रदान करता है, साथ ही जलवायु को नियंत्रित करने और ऑक्सीजन प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लहरों में ध्यान: समुद्र की लहरें उठती-गिरती हैं, जो जीवन की अस्थिरता और परिवर्तनशीलता का प्रतीक हैं। लहरों को देखकर या उनकी आवाज़ सुनकर, हम वर्तमान में रहने और जीवन के उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने का अभ्यास कर सकते हैं।

अध्यात्मिक प्रतीक: समुद्र को अनंतता, अज्ञात और आंतरिक दुनिया का प्रतीक माना जाता है। सांस्कृतिक महत्व- कई संस्कृतियों में, समुद्र को पवित्र और आध्यात्मिक माना जाता है, और इसके आसपास कई किंवदंतियाँ और परंपराएँ हैं।

प्राणायाम: समुद्र तट पर प्राणायाम करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और मन शांत होता है।

समुद्र में तैरना- समुद्र में तैरना भी एक तरह का योग अभ्यास है, जो शरीर को मजबूत बनाता है और तनाव कम करता है।

समुद्र मंथन की घटना जीवात्मा की चेतना के मंथन का परिचायक है। जब किसी जीवात्मा का धरती पर आगमन होता है तो वह बहुत से उद्देश्यों, अपनी इच्छाओं को, अपनी भावनाओं को समाहित किए रहती है। मानव जन्म के दौरान उसे किन हालातों का, किन परिस्थितियों का, किन शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संघर्षो से होकर गुजरना पड़ता है, यहा मंथन उसी का एक चित्रण है। अगर हम खुद पर नियंत्रण न रखें या खुद को किसी सीमा के साथ बांधकर न रखें तो हमारी एकाग्रता कभी स्थिर नहीं रह सकती और मन में भटकाव हमेशा बना रहता है।

यहाँ समुद्र और मनुष्यों के बीच संबंध के कुछ मुख्य पहलू दिए गए हैं। समुद्र हमें भोजन, मछली, और अन्य समुद्री जीवों का स्रोत प्रदान करता है। यह खनिजों और ऊर्जा संसाधनों का भी स्रोत है। समुद्र परिवहन और व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। समुद्र पृथ्वी के जलवायु को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो मौसम को प्रभावित करता है। समुद्र मनोरंजन और पर्यटन के लिए एक लोकप्रिय स्थान है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि जीवन का अभिन्न अंग महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करता है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरीय जल में ही पहली बार जीवन का अंकुर फूटा था। आज महासागर असीम जैव विविधता का भंडार है। हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। महासागरों में पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। मुख्यतया पृथ्वी पर पाँच महासागर हैं जिनके नाम इस प्रकार हैं- प्रशांत महासागर, हिन्द महासागर, अटलांटिक महासागर, उत्तरी ध्रुव महासागर और दक्षिणी ध्रुव महासागर।

समुद्री जल की लवणता और विशिष्ट ऊष्माधारिता का गुण पृथ्वी के मौसम को प्रभावित करता है। यह तो हम जानते ही हैं कि पृथ्वी की समस्त ऊष्मा में जल की ऊष्मा का विशेष महत्व है। जितनी ऊष्मा एक ग्राम जल के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करेगी, उससे एक ग्राम लोहे का तापमान दस डिग्री बढ़ाया जा सकता है। अधिक विशिष्ट ऊष्मा के कारण समुद्री जल दिन में सूर्य की ऊर्जा का बहुत बड़ा भाग अपने में समा लेता है। इस प्रकार अधिक विशिष्ट ऊष्मा के कारण समुद्र ऊष्मा का भण्डारक बन जाता है जिसके कारण विश्व भर में मौसम संतुलित बना रहता है या यूं कहें कि जीवन के लिए औसत तापमान बना रहता है। तब पृथ्वी पर जीवन के इतने रंग न बिखरे होते क्योंकि पृथ्वी की असीम जैव-विविधता का एक प्रमुख कारण यह है कि यहां अनेक प्रकार की जलवायु मौजूद है और जलवायु के निर्धारण में महासागरों का महत्वपूर्ण योगदान नकारा नहीं जा सकता है।

स्टोन क्रेशर हड़ताल से गिट्टी की कमी, सड़क और पुल-पुलिया निर्माण कार्य ठप..!

इंदौर। इंदौर में स्टोन क्रेशर संचालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण गिट्टी और अन्य निर्माण सामग्री की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे सड़क, पुल, और पुलिया निर्माण कार्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। ठेकेदारों को गिट्टी प्राप्त करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गिट्टी की कमी से इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में चल रही सड़क निर्माण परियोजनाएं, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग और ग्रामीण सड़कें, रुक गई हैं। पुल-पुलिया निर्माण कार्य भी प्रभावित हुए हैं, क्योंकि गिट्टी और रेत जैसी सामग्री की अनुपलब्धता ने कार्य की गति को रोक दिया है। ठेकेदार वैकल्पिक स्रोतों से गिट्टी मंगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन परिवहन लागत और सीमित उपलब्धता के कारण यह प्रक्रिया महंगी और समय लेने वाली साबित हो रही है। कई ठेकेदारों ने बताया कि परियोजनाओं की समय-सीमा पूरी करना मुश्किल हो रहा है, जिससे उन पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। निर्माण कार्य रुकने से दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों की आजीविका पर असर पड़ रहा है। सामग्री की बढ़ती कीमतों और कमी के कारण निर्माण लागत में वृद्धि हो रही है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं या सरकार पर पड़ सकता है। हड़ताल के कारण गिट्टी की आपूर्ति में आई कमी ने इंदौर में निर्माण उद्योग को गंभीर संकट में डाल दिया है। ठेकेदारों की परेशानियों को देखते हुए सरकार और खनिज विभाग को तत्काल हस्तक्षेप कर स्टोन क्रेशर संचालकों के साथ बातचीत करनी होगी, ताकि आपूर्ति बहाल हो और निर्माण कार्य फिर से शुरू हो सकें। उज्जैन में स्टोन क्रेशर संचालकों ने खनिज विभाग के नए नियमों के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। एसोसिएशन ने मुख्यमत्रों को ज्ञापन सौपकर माग की है कि सैटेलाइट सर्वे और डिजिटल सीमांकन से हो रही समस्याओं को दूर किया जाए। पहले चेन से होने वाला सीमांकन अब सैटेलाइट सर्वे से की जा रही, जिससे खदानों की स्थिति में बदलाव के कारण अवैध उत्खनन के प्रकरण बनाए जा रहे, साथ ही जुर्माना लगाया जा रहा है। प्रदेश में करीब 2,000 स्टोन क्रेशर और खदानें संचालित हैं। राजस्व और खनिज विभाग से संयुक्त अभियान चलाकर जीयोटेगिंग के आधार पर विसंगतियां दूर करने की मांग की गई है। साथ ही, 5 हेक्टेयर से कम की खदानों को पर्यावरण अनुमति से मुक्त रखने की अपील की गई है। विशेष रूप से मध्य प्रदेश में स्टोन क्रेशर और खदानों पर, जैसा कि उज्जैन में स्टोन क्रेशर संचालको के विरोध और उनके ज्ञापन से स्पष्ट है।

सैटेलाइट सर्वे और डिजिटल सीमांकन का प्रभावः पहले चेन से होने वाला मैनुअल सीमांकन अब सैटेलाइट सर्वे और जीयोटेगिंग से किया जा रहा है। इस बदलाव के कारण खदानों की स्थिति में परिवर्तन हो रहा है, जिससे संचालकों पर अवैध उत्खनन के प्रकरण बनाए जा रहे हैं। सैटेलाइट सर्वे की सटीकता के बावजूद, मौके पर भौगोलिक स्थिति में अंतर के कारण संचालकों को जुर्माना और दण्ड राशि का सामना करना पड़ रहा है।

आर्थिक प्रभाव की संभावनाः नए नियमों और सख्ती के कारण स्टोन क्रेशर संचालकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की, जिससे खदानों और क्रेशर का संचालन बंद हो गया है। इससे प्रदेश में लगभग 2,000 स्टोन क्रेशर इकाइयों की आय प्रभावित हुई है। जुर्माना और अवैध उत्खनन के प्रकरणों से संचालकों पर वित्तीय बोझ बढ़ा है, जिससे व्यवसाय की लागत और अनिश्चितता बढ़ रही है।

पर्यावरण अनुमति की मांग क्या कहती है: 5 हेक्टेयर से कम की खदानों को पर्यावरण अनुमति से मुक्त रखने की मांग उठी है। वर्तमान नियमों में पर्यावरण मंजूरी की अनिवार्यता छोटे संचालकों के लिए लागत और प्रक्रियात्मक जटिलता बढ़ा रही है। प्रशासनिक और नीतिगत प्रभावः राजस्व और खनिज विभाग के बीच समन्वय की कमी के कारण सीमांकन और जीयोटेगिंग में विसंगतियां आ रही हैं। संचालकों ने संयुक्त अभियान चलाकर इन विसंगतियों को दूर करने की मांग की है। नए नियमों से छोटे और मध्यम स्तर के खदान संचालकों पर अनुपालन का दबाव बढ़ा है, जिससे उनकी कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है।

सामाजिक और रोजगार प्रभावः हड़ताल और संचालन बंद होने से खदानों और स्टोन क्रेशर से जुड़े श्रमिकों और कर्मचारियों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता की स्थिति बन सकती है। नए खनिज नियमों और डिजिटल सीमांकन ने तकनीकी प्रगति के बावजूद स्टोन क्रेशर और खदान संचालकों के लिए कई चुनौतियां पैदा की हैं। संचालकों की मांग है कि राजस्व और खनिज विभाग मिलकर जीयोटेगिंग और सीमांकन की विसंगतियों को दूर करें, साथ ही छोटी खदानों के लिए नियमों में छूट दी जाए।

10 लाख की रिश्वत लेते पकड़ाया आईएएस अधिकारी, कभी गांव के युवाओं का रोल मॉडल बना

रविवार को ओडिशा के विजिलेंस विभाग ने कालाहांडी जिले में तैनात एक आईएएस अधिकारी धीमन चकमा को एक व्यापारी से कथित तौर पर ?10 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा। उसके सरकारी आवास पर छापेमारी चल रही है, जहां से ?47 लाख नकद बरामद किए जा चुके हैं। धीमन चकमा 2021 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (ट्रूस) के अधिकारी हैं। आईएएस अधिकारी ने कारोबारी को उसके कारोबार पर सरकारी कार्रवाई की धमकी देकर ?20 लाख की रिश्वत मांगी थी। कारोबारी ने इस संबंध में सतर्कता विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। कालाहांडी जिले के धरमगढ़ में उप-कलेक्टर के रूप में तैनात आरोपी अधिकारी ने रिश्वत लेने की बात स्वीकार की। जानकारी अनुसार आरोपी ने शिकायतकर्ता को धरमगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाया और 10 लाख रिश्वत ली। यह राशि कुल मांग का आधा हिस्सा बताया जा रहा है। विजिलेंस अधिकारियों ने आईएएस अधिकारी के टेबल की दराज से विभिन्न मूल्यवर्ग के नोटों के कुल 26 बंडल बरामद किए। विजिलेंस ने कहा कि हैंड वॉश और टेबल ड्रॉवर वॉश दोनों ने सकारात्मक रासायनिक प्रतिक्रिया दी। सतर्कता विभाग की विज्ञप्ति में बताया गया कि आरोपी ने व्यक्तिगत रूप से रिश्वत की राशि प्राप्त की और उसे अपने सरकारी डेस्क के दराज में रख दिया। त्रिपुरा के कंचनपुर क्षेत्र के मूल निवासी चकमा ने यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 482वीं रैंक हासिल की थी। इससे पहले यूपीएससी के जरिए उनका आईएफएस अधिकारी के रूप में चयन किया गया था। वे ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारीपदा में वन विभाग अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे। आरोपी अधिकारी के खिलाफ विजिलेंस सेल थाने में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम 1988 की धारा 7 और 2018 के संशोधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांचकर्ता अब इस बेहिसाब धन के स्रोत का पता लगा रहे हैं। उन्हें संदेह है कि यह पिछले अवैध सौदों से जुड़ा है। चल रही जांच के तहत अतिरिक्त दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और संपत्तियों की जांच की जा रही है। सतर्कता अधिकारी कथित तौर पर अधिकारी के वित्तीय लेन-देन की जांच कर रहे हैं, जिसमें हाल ही में अर्जित संपत्ति, पारिवारिक बैंक खाते और कथित बिचौलियों का नेटवर्क शामिल है। जांच की संवेदनशीलता के कारण नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी ने कहा कि हम हर सुराग की तलाश कर रहे हैं। अधिकारी ने सरकारी परिसर में रिश्वत लेने की हिम्मत दिखाई। यह कड़ी निगरानी की जरूरत को दर्शाता है।

इस गिरफ्तारी ने ओडिशा के नौकरशाही हलकों में हड़कंप मचा दिया और राज्य के प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता को लेकर असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। आगे की जांच तक अधिकारी की पहचान गुप्त रखी जा रही है। लेकिन, कालाहांडी प्रशासन के सूत्रों ने पुष्टि की है कि वह क्षेत्र में कुछ खास व्यापारिक लॉबी के साथ अपनी निकटता के लिए जाना जाता था। तीन साल पहले, धीमान चकमा को भारत के सबसे दूरदराज के इलाकों में से एक से एक पथप्रदर्शक के रूप में सम्मानित किया गया था। त्रिपुरा के कंचनपुर के मूल निवासी धीमान अपने परिवार और गृहनगर से 2020 में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने भारतीय वन सेवा अधिकारी के रूप में काम करते हुए अपने अंतिम प्रयास में 482 की अखिल भारतीय रैंक हासिल की।

भाजपा गुरुनानक मंडल की कार्यशाला हुई

भोपाल। भाजपा गुरुनानक मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के अमृत काल, सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल पूर्ण होने पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला को पाठशाला की तर्ज पर आयोजित किया गया था। कार्यशाला में माननीय प्रधानमंत्री जी के सफलतम 11 वर्षों के पूर्ण होने पर एक विशेष वीडियो को लॉन्च किया गया। इसके अलावा, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस, विश्व योग दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस को बूथों पर आयोजित करने की चर्चा की गई। कार्यशाला से पूर्व एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। गुरुनानक मंडल के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा, ÷प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने विकास के नए आयाम छुए हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दिखाई है और हमें गर्व है कि हमारे प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता ने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, उनके कार्यकाल में भारत ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और हमें उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके विचारों को अपनाने के लिए काम करना होगा। विकसित भारत के अमृत काल में प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करते हुए देश और अधिक विकसित और समृद्ध बनने जा रहा है।कार्यशाला में महेश मकवाना, मांगीलाल वाजपेयी, सरोज आसेरी, भगवान् दास ढालिया, यतिन मकवाना, सुनील सराठे, मुकेश सोलंकी, नरेंद्र ठाकुर, राजा शर्मा, राम जीवन मकोरिया, कैलाश हिरवे, दीपचंद् तिवारी, सुकांति ठकुरिया, राजकुमारी डागोंर्, लक्ष्मी महाजन, पाना बाई, कुसुम हिरवे, मीरा बाई, गोवर्धन अहिरवार, नितिन बम्मन, सुनील शुकरवारे, अजय सरवैया, संदीप कल्याने, अतुल घेंघाट, अजय प्रजापति, विवेक तिवारी सहित युवा साथी उपस्थित थे।

विश्व अभिलेख दिवस पर होगी अभिलेख संवाद की पहल

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा 9 जून सोमवार को विश्व अभिलेख दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम अभिलेख यात्रा÷ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन प्रातः 11 बजे भोपाल स्थित राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स में संपन्न होगा। इस अवसर पर प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार, शोधकर्ता, अभिलेखविद, विद्यार्थी एवं अभिलेख संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को अभिलेखों के महत्व, उनके संरक्षण तथा शोध कार्यों में उनकी उपयोगिता से परिचित कराना है।इस अवसर पर राज्य के अभिलेखागार में संचित 6.88 करोड़ से अधिक ऐतिहासिक दस्तावेजों में से चयनित अति-महत्वपूर्ण अभिलेखों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मध्यभारत एवं सेंट्रल प्रॉविंसेस की ऐतिहासिक रियासतों से संबंधित अभिलेख प्रदर्शित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश राज्य अभिलेखागार द्वारा वर्षों से इन ऐतिहासिक दस्तावेजों का संरक्षण, डिजिटलीकरण एवं शोधार्थियों के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है। ये दस्तावेज प्रशासनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अभिलेखीय यात्रा कार्यक्रम अतीत की विरासत और वर्तमान की जागरूकता के बीच संवाद का एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

SEIAA में पर्यावरण मंजूरी का भ्रष्टाचार, बिना बैठक के ही 450 प्रोजेक्ट को दी सीधे मंजूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (SEIAA) में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। भ्रष्टाचार भी कोई करोड़ दो करोड़ का नहीं, अरबों का हो सकता है। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर, बिना बैठक और सामूहिक निर्णय के, सैकड़ों परियोजनाओं को अवैध रूप से पर्यावरणीय मंजूरी (EC) दे दी गई। इस प्रक्रिया में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार, खनन माफिया और अधिकारियों की मिलीभगत, और पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ के गंभीर आरोप लगे हैं। बता दें कि इन 450 मामलों में से 200 से ज्यादा खनिज विभाग से जुड़े हैं।

दरअसल पर्यावरण संरक्षण कानून 1986 के तहत 8 प्रकार के प्रोजेक्ट में पर्यावरणीय मंजूरी लेना अनिवार्य है। इनमें खनन, सिंचाई, सड़क-हाईवे आदि हैं। बता दें कि 250 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के प्रोजेक्ट में ईसी जारी करने के अधिकार केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और 250 हेक्टेयर से कम के प्रोजेक्ट में सिया के पास है। ऑफ द रिकार्ड सभी मानते हैं कि खनन, सिंचाई, सड़क-हाईवे आदि प्रोजेक्ट अरबों की लागत वाले होते हैं। इसलिए 25-50 लाख की दान- दक्षिणा के बिना कोई भी अनुमति इन प्रोजेक्ट को मिलती ही नहीं है।

सिया चेयरमैन शिवनारायण चौहान का कहना है कि अथॉरिटी के अलावा किसी और को ईसी जारी करने का अधिकार नहीं है। फिर अस्थायी प्रभार संभालने के सिर्फ एक दिन बाद ही श्रीमन शुक्ला को अनुमतियां जारी करने की ऐसी कौन सी जल्दी थी? दरअसल इस मामले में भारत सरकार के EIA Notification 2006 के तहत, हर परियोजना की मंजूरी स्थ्रढ्ढ की सामूहिक बैठक में होनी चाहिए थी। लेकिन जानबूझकर बैठकें ही नहीं बुलाई गईं, जिससे फाइलें लंबित रहीं। फाइलें लंबित रखने के पीछे÷45 दिनों का नियम÷ था। दरअसल नियम के मुताबिक, अगर 45 दिनों में किसी फाइल पर फैसला नहीं होता, तो श्वष्ट (पर्यावरण मंजूरी) अपने आप मान ली जाती है। इसी का फायदा उठाकर, सचिव स्तर से अकेले ही सैकड़ों मंजूरियां जारी कर दी गईं।

फर्जी अनुमोदन कराया

आरोप है कि बिना तकनीकी मूल्यांकन, बिना चर्चा, बिना जरूरी दस्तावेजों के, परियोजनाओं को हरी झंडी मिल गई। कई मामलों में खनिज के नाम और मात्रा तक बदल दी गई।

नियमों की अनदेखी और प्रक्रिया का दुरुपयोगः EIA Notification 2006 के मुताबिक, हर परियोजना की मंजूरी स्थ्रढ्ढ की सामूहिक बैठक में होनी चाहिए थी। अधिकारियों ने जानबूझकर बैठकें नहीं बुलाई, जिससे फाइलें लंबित रहीं। 5 दिन की समयसीमा पूरी होते ही, सदस्य सचिव ने अकेले ही सैकड़ों परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जो पूरी तरह अवैध है। तकनीकी मूल्यांकन, जनसुनवाई और सामूहिक निर्णय जैसी अनिवार्य प्रक्रियाओं को दरकिनार किया गया। फर्जी अनुमोदन और दस्तावेजों में हेराफेरी कई मामलों में खनिज के नाम और मात्रा तक बदल दी गई। फाइलों में जरूरी जानकारी छुपाई गई या बदल दी गई, जिससे अवैध खनन को कानूनी जामा पहनाया गया। राज्य सरकार के अधिकारियों ने केंद्र सरकार के आदेशों का पालन करने के बजाय स्थ्रढ्ढ को कमजोर करने, उस पर दबाव बनाने और ब्लैकमेल करने का प्रयास किया।

सिद्धि विनायक शिव मंदिर में 12 किलो चांदी के मंडप की हुई स्थापना

भोपाल। लालघाटी के विजयनगर स्थित श्री सिद्धिविनायक शिव मंदिर में 12 किलो चांदी के मंडप की स्थापना हुई। श्री सिद्धी विनायक शिव मंदिर वीर सावरकर पार्क गणेश चौक लालघाटी पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। 12 किलो चांदी से गणेश भगवान का मंडप तैयार किया है। इस कार्यक्रम में बीजेपी के संगठन महामंत्री हीत्यानंद शर्मा, दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी, पूर्व मध्य विधायक ध्रुव नारायण सिंह, भोपाल की प्रथम नागरिक हापौर मालती राय , भारतीय जनता पार्टी की मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता चेतन भार्गव और हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए 5000 लोगों ने भंडारे में प्रसादी प्राप्त की।

मंदिर समिति के प्रमुख पूर्व जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष कुलदीप खरे ने इस अवसर पर आमजन को संदेश देते हुए कहा कि आज के युवा आधुनिक दिखने के चक्कर में अपनी परंपरा एवं संस्कृति को भूलते जा रहे हैं तथा पश्चात संस्कृति को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि युवा पीढ़ी पढ़ाई पर ध्यान न देकर आजकल होटलो और हुक्का बार के चक्कर में पड़ रही है। असामाजिक तत्व साजिश के तहत नशे का आदि बनाकर लव जिहाज जैसे जाल में फंसा कर उनका शोषण करते हैं। श्री खरे ने सभी माता-पिताओं से अनुरोध किया है कि अपने बच्चों का पूरा ख्याल रखें और उन्हें ऐसी जगह पर जाने से रोकें।

उड़द, मूंग सहित अन्य फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरेगा भारतीय किसान संघ

भोपाल। उड़द मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी न होने के कारण प्रदेश के 16 से अधिक जिलों के किसान परेशान है। जिसको लेकर कुछ जिलों में किसानों ने स्वप्रेरणा से आंदोलन छेड़ रखा है। प्रदेश में किसानों के सबसे बड़े संगठन भारतीय किसान संघ ने रविवार को उड़द मूंग खरीदी विषय पर प्रदेश टोली की ऑनलाइन बैठक की। प्रदेश बैठक में हुए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने बताया कि उड़द, मूंग सहित अन्य फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों पर भारतीय किसान संघ धरना प्रदर्शन व ज्ञापन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। हमारा यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से होगा। इसके बाद भी यदि सरकार नहीं सुनेगी तो प्रदेश के सभी जिला केंद्रों पर ट्रैक्टर रैली जैसे उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर ने बताया कि मंडी अधिनियम की धारा 36(3) के अनुसार मंडी प्रांगण में ऐसी कृषि उपज जिसका सरकार ने समर्थन मूल्य घोषित किया है। मंडी प्रांगण में उस उपज के नियत घोषित समर्थन मूल्य से कम पर बोली प्रारंभ नहीं होने दी जाएगी। इस प्रकार का आदेश पत्र पूर्व में नर्मदापुरम जिले में जारी किया जा चुका है। जिसकी प्रतिलिपि जारी करते हुए महामंत्री चंद्रकांत गौर ने कहा कि यदि सरकार उड़द मूंग की खरीदी नहीं करती है तो प्रदेश सरकार सभी जिलों के कलेक्टर को मंडी अधिनियम की धारा 36(3) का पालन सुनिश्चित कराने आदेश जारी करे।

चीन के निर्यात ने फिर पकड़ी रफ्तार, अमेरिका के साथ व्यापार में आई कमी, सीमा शुल्क के आंकड़ों में दावा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के निर्यात में मई माह में तेजी आई है। वहीं चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम हुआ है। सोमवार को सीमा शुल्क के आंकड़े जारी किए गए, जिनमें बताया गया कि का निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत ज्यादा हुआ। आंकड़ों के अनुसार, चीन के आयात में साल-दर-साल 3.4 प्रतिशत की कमी आई है, जिसके कारण चीन का व्यापार अधिशेष 103.2 अरब डॉलर हो गया है। मई में चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा। वहीं चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत गिरकर 10.8 अरब डॉलर रहा। अप्रैल में चीन के वैश्विक निर्यात में 8.1 प्रतिशत की तेजी के बाद मई में व्यापार धीमा हो गया। अमेरिका-चीन वार्ता का अगला दौर सोमवार को ब्रिटेन में होने वाला है। इस वार्ता में चीन की तरफ से उप-प्रधानमंत्री ही लेइफेंग शामिल होंगे। वहीं अमेरिका की तरफ से अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर बैठक में शामिल होंगे। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच फोन पर बात हुई थी, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अच्छी बातचीत बताया था।

वैश्विक खाद्य बाजार में गिरावट, पर डेयरी उत्पाद महंगे, मई में खाद्य मूल्य सूचकांक रहा औसतन 127.7 अंक

नई दिल्ली , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ओर से मई 2025 में जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि अनाज, वनस्पति तेल और चीनी की कीमतों में गिरावट के बावजूद खाद्य मूल्य सूचकांक मई में औसतन 127.7 अंक रहा, जो अप्रैल के मुकाबले 0.8 फीसदी कम है। हालांकि मई 2024 की तुलना में यह अभी भी 6 फीसदी अधिक है। अनाज मूल्य सूचकांक मई में 1.8 फीसदी घटकर 109 अंक रहा, जो मई 2024 से 8.2 फीसदी कम है। इस गिरावट का कारण प्रमुख उत्पादक देशों अर्जेंटीना, ब्राजील और अमेरिका में बेहतर उत्पादन रहा। मक्के की कीमतों में सबसे तेज गिरावट देखी गई। गेहूं, ज्वार और जौ की कीमतों में भी गिरावट आई है

मई में खाद्य तेल मूल्य सूचकांक 3.7त्न गिरकर 152.2 अंक पर आ गया। यह एक साल पहले की तुलना में 19.1त्न अधिक है। पाम तेल, सोयाबीन तेल, रेपसीड और सूरजमुखी तेल सभी की कीमतों में गिरावट देखी गई।

एफएओ के चीनी मूल्य सूचकांक के अनुसार मई में चीनी के दाम 2.6त्न घटकर 109.4 अंक पर आ गए। यह लगातार तीसरा महीना है जब चीनी की कीमतों में गिरावट हुई है। मई 2024 की तुलना में यह 6.6 फीसदी कम है।

इनके दाम बढ़े

दूसरी और डेयरी मूल्य सूचकांक मई में 0.8 फीसदी बढ़कर 153.5 अंक पर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 21.5 फीसदी अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मक्खन की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहीं, जिसमें एशिया और पश्चिम एशिया से बढ़ी मांग तथा ऑस्ट्रेलिया में दूध की कमी प्रमुख कारण रहे। रिपोर्ट के अनुसार मई में मांस मूल्य सूचकांक 1.3 फीसदी बढ़कर 124.6 अंक पर पहुंच गया। यह मई 2024 की तुलना में 6.8 फीसदी अधिक है।

रोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत को लेकर उत्साहित, 10 वर्षों में 300 टर्बोप्रॉप बेचने की योजना

नई दिल्ली , एजेंसी। यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत में कारोबारी अवसरों को लेकर उत्साहित है। एटीआर भारत में अपने विमानों की बिक्री की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न ऑपरेटर्स और एयरलाइंस के साथ बातचीत कर रही है। भारतीय बाजार की विकास संभावनाओं को देखते हुए एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 10 वर्षों में देश में 300 और टर्बोप्रॉप होंगे। एयरबस और लियोनार्डो के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी एटीआर 78 सीटों वाले टर्बोप्रॉप विमान के साथ-साथ मालवाहक विमान भी बनाती है। वर्तमान में, देश में 70 एटीआर विमान हैं, जिनका संचालन इंडिगो, एलायंस एयर और फ्लाई91 जैसी एयरलाइंस और ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख जीन-पियरे क्लेरसिन ने हाल ही में दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही एटीआर विमान उड़ा रहे ऑपरेटरों सहित अनुसूचित और गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों के साथ बातचीत कर रही है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और यहां हवाई अड्डों की संख्या के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क भी बढ़ रहा है। देश में अगले पांच वर्षों में 50 और हवाई अड्डे स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्पीड ब्रेकर एवं साइन बोर्ड,रोड लाइट लगाने हेतु किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिन्दवाड़ा अजय पांडेय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता द्वारा सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध मे विशेष दिशा निर्देश दिये गये है, इसी क्रम में अनुविभागीय अधीकारी(पुलिस) परासिया जितेन्द्र सिंह जाट के मार्गदर्शन में *दिनांक 07.06.2025 थाना चांदामेटा पुलिस स्टाफ तथा डी.बी.एल. बैतूल-सारणी टोल वे इकलहरा के प्रबंधक गर्वित राव के साथ संयुक्त रुप से सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये आवश्यक जगह स्पीड ब्रेकर लगाने,साईन बोर्ड लगाने तथा रोड लाईट लगाने हेतु रोड का निरीक्षण कर स्थान चिन्हित किये गये।* डी.बी.एल. बैतूल-सारणी टोल वे इकलहरा के प्रबंधक को जल्द से जल्द कार्य शुरु कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है।

ईद उल जुहा का त्योहार अकीदत के साथ मनाया

अमरवाड़ा। शनिवार को हर साल के मुताबिक इस साल भी शहर में आपसी भाईचारे और त्याग बलिदान के पर्व ईद उल जुहा का त्योहार अकीदत के साथ मनाया गया प्रातः ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई एवं शहर मुल्क और पूरे आलम के लिए सुख समृद्धि अमन चैन और हिफाजत की दुआ की गई दुआ के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी इस मौके पर नगर पालिका द्वारा आयोजित ईद मिलन समारोह में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी मुस्लिम बंधुओं को ईद की मुबारकबाद दी ईद की नमाज के बाद सभी मुस्लिम बंधुओं ने कब्रिस्तान पहुंचकर अपने मरहूम के हक में दुआ ए मगफिरत की अपने घरों में कुर्बानी के बाद दिनभर दावतों का और मुबारकबाद का सिलसिला चल रहा इस दौरान लोगों ने गरीबों और मिस्कीनओ की सदका फितरा के जरिए मदद भी की पर्व के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाएं उत्तम रही आसपास के क्षेत्रों से भी ईद के पर्व को हर्षोल्लास एवं शांति पूर्वक मनाई जाने के समाचार प्राप्त हुए हैं।

पाठशाला के बच्चे सीख रहे मंदिर विधि करना

अमरवाड़ा। धर्मनगरी अमरवाड़ा में प्रति रविवार बाल ब्रह्मचारी इतिहास रचनाकार पूज्य बसंत जी महाराज

के मंगल आशीर्वाद और प्रेरणा से प्रति रविवार बच्चों में अच्छे संस्कार और तारण आमनाओं का बीजा रोपण हो सके इस उद्देश्य से पाठशाला के बच्चों को मंदिर विधि सिखाई जा रही है यहां बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी, ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी का विशेष सहयोग के साथ बच्चों को मंदिर विधि की संपूर्ण क्रियाएं गाथाओं का वाचन संगीत में भजन तत्व मंगल मंगल आरती प्रसाद सभी क्रियाएं संपन्न कराई जाती है वही पंडित कु गाथा जैन के द्वारा भी मंदिर विधि के बाद प्रवचन मंदिर दिए जाते हैं जिसमें बच्चे बड़े उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं इस अवसर पर अभिषेक जैन नवीन जैन संकेत जैन पाठशाला की दीदी पूर्वी जैन, प्रतीक्षा जैन, रूबी जैन, जिज्ञासा जैन का विशेष सहयोग मिल रहा है इस दौरान समाज बंधुओ के द्वारा प्रति रविवार को बच्चों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था होती हैयह क्रम निरंतर जारी रहेगा

ईआईए के प्रावधानों के साथ खिलवाड़ पर रोक लगाए केंद्र सरकार: जितेंद्र चौहान

450 परियोजनाओं को गलत तरीके से जारी डीम्ड पर्यावरण स्वीकृति को निरस्त करने की मांग की

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश में स्टेट एनवायरमेंट इम्पेक्ट

असेसमेंट एथॉरिटी (एस ईईएआई) की मंजूरी के बिना प्रदेश में लगभग 450 खनिज, उद्योग एवं निर्माण परियोजनाओं को डीम्ड पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करना यह एक बहुत बड़ा चिंता का विषय है इस मामले में एक सोची समझी साजिश के तहत जानबूझकर अनियमितता बरती गयी। एसईईएआई के चैयरमेन के अथक प्रयासों के बावजूद बैठक का आयोजन न करके ईआईए नोटिफिक्केशन 2006 के पैरा- 8, कंडिका- 3 का अनुचित लाभ लेने के उद्देश्य से बैठक को टाला गया ताकि परियोजनाओं को डीम्ड स्वीकृति जारी की जा सकेइस प्रकार की गयी गम्भीर अनियमितता ने यह साबित कर दिया कि प्रदेश में अफसर स्वेच्छाचारी नीति अपना कर कार्य कर रहे है इस मामले में भारी भ्रष्टाचार की बदबू आ रही है। एसईईएआई के चैयरमेन की मंजूरी के बिना इस प्रकार परियोजनाओं को पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने पर स्वयं चैयरमेन ने सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। यह न केवल भ्रष्टाचार, बल्कि पर्यावरण और जनमानस के साथ खिलवाड़ है ।परियोजनाओं को गलत तरीके से जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के कारण हमारे जंगल, नदियां, और जैव विविधता को क्षति हो सकती है। परियोजनाएं कार्बन उत्सर्जन बढ़ाकर ग्लोबल वार्मिंग को तेज कर सकती हैं, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण एवं ध्वनी प्रदूषण में बढ़ोत्तरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इससे ग्रामीणजनों की आजीविका, और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। समाजसेवी एवं परियोजना मामलों के जानकार जितेंद सिंह चौहान ने अपने अनुभव साझा करते हुऐ बताया कि केंद्र सरकार ने कुछ वर्ष पूर्व खनन क्षेत्र में अनियमितता को ठीक करने के लिए शाह कमीशन का गठन किया था।

जल जीवन मिशन के नाम पर हो रही खानापूर्ति

85 हजार घरों में नहीं पहुंचा पानी, समय पर काम नहीं कर रहे ठेकेदार पर मेहरबान पीएचई के अधिकारी

छिंदवाड़ा। जल जीवन मिशन के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। 31 मार्च तक काम पूरा करने के निर्देश पीएचई विभाग को दिए गए थे लेकिन अधिकारी ने तय समय पर अब काम पूरा नहीं किया है। आंकड़ो के मुताबिक 3 लाख 52 हजार 802 परिवारों को हर घर नल से जोड़ना था अब तक विभाग द्वारा सिर्फ 2 लाख 69 हजार 359 परिवारों को ही नल कलेक्शन दिया गया है। जबकि 83 हजार 443 परिवार अब भी पानी के लिए मोहताज है गौरतलब है कि जलजीवन मिशन के तहत हर ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन एफएचटीसी उपलब्ध कराएं जाने का लक्ष्य रखा गया था इसका मकसद हर ग्रामीण परिवार को रोजाना 55 लीटर पानी की आपूर्ति होना था लेकिन जिले में परासिया, जुन्नारदेव, तामिया, चौरई, हर्रई, अमरवाड़ा के कई ग्रामों में अब तक जलजीवन मिशन का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार बिछुआ, तामिया, हर्रई सबसे फिसड्डी हैं। यहां घरेलू कनेक्शन लगने की संख्या काफी कम है। जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में जिलाप्रशासन द्वारा पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि समय पर कार्य पूरा कराए और ऐसे ठेकेदार जिन्होने निर्धारित अवधि में काम पूरा नहीं कर पा रहे हैं उन्हें ब्लैक लिस्ट करनेकी कार्रवाई की जाए। लेकिन इसके बावजूद भी अधिकारियों ने ठेकेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं की।

माता पिता की सेवा भगवान की सेवा के समानः सुश्री संगीता किशोरी

गांधीगंज पंचमुखी हनुमान मंदिर में रामकथा

छिंदवाड़ा। गांधीगंज पंचमुखी हनुमान मंदिर में रामकथा के दूसरे दिन वनवासी कथाकार सुश्री संगीता किशोरी ने कहा कि माता पिता की सेवा भगवान की सेवा के सामान है सभी को माता पिता की सेवा करना चाहिए उन्होने शिव विवाह के बारे में वर्णन करते हुए कहा कि पति पत्नि का संबंध अटूट होता है उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए और हमेशा दूसरों का सम्मान करना चाहिए। भगवान शिव ने भी रामकथा सुनी थी। सुश्री संगीता किशोरी ने कहा कि जहां कल्याण का काम हो वहां आमंत्रण की जरूरत नहीं पड़ती है। और कल्याण न हो वहां बिना आमंत्रण के नहीं जाना चाहिए। रामकथा में आरएसएस के भजनलाल चोपड़े, सांसद बंटी विवेक साहू, उद्योगपति सुरेश अग्रवाल, गांधीगंज व्यापारी मंडल के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल, अशोक संचेती, पूर्व विधायक नत्थनशाह, भरत घई, सभापति बलराम साहू, अन्य जनप्रतिनिधि और श्रद्धालुजन उपस्थित थे। इस अवसर पर भजनलाल चोपड़े ने कहा कि आर.एस.एस.द्वारा व्यक्ति का निर्माण किया जाता है।

सांसद बंटी विवेक साहू ने मोक्षधाम में किया भूमिपूजन

छिन्दवाड़ा। पातालेश्वर में स्थित मोक्षधाम में लंबे समय से अतिरिक्त टीन शेड की मांग की जा रही थी। नगरवासियों की इस मांग को पूरा करते हुए रविवार को सांसद बंटी विवेक साहू ने मोक्षधाम में करीब 17 लाख रुपए की लागत से बनने वाले चार टीन शेड के निर्माण का भूमिपूजन किया। मोक्षधाम में टीन शेड का निर्माण हो जाने से अब अंतिम संस्कार करने में लोगों को परेशानी नहीं होगी। भूमिपूजन के अवसर पर मेरे साथ महापौर विक्रम अहके, वरिष्ठ भाजपा नेता लोकतंत्र सेनानी दीनदयाल मोहने, मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला, राजू नरोटे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जगेंद्र अल्डक, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित पोफली, रिज़वान कुरैशी, मनोज सक्सेना, मनोज कुशवाहा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता एवं नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

थावरीकला में म प्र जन अभियान परिषद ने नर्सरी की स्थापना की

छिंदवाड़ा/अमरवाड़ा। राज्य कार्यालय म.प्र. जन अभियान परिषद भोपाल समृद्धि योजनांतर्गत वृहद पौधारोपण को ध्यान में रखते हुए विकास खंड अमरवाड़ा की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी सेक्टर 05 द्वारा आदर्श ग्राम थावरी कला में परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के निर्देशन में एवं ब्लाक समन्वयक सुश्री वंदना राकेशिया के मार्गदर्शन में श्री शारदा गौशाला परिसर के बाहर थाबड़ी में सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति थावरी द्वारा ग्राम में आदर्श नर्सरी कि स्थापना कि गई जिसमें करीबन दो हजार पौधे तैयार करने की योजना है नर्सरी में वन औषधि, फलदार, और छायादार बीजों का बीजारोपण किया गया। वृंदावन गौशाला सेवा समिति के अध्यक्ष श्री वृंदावन वर्मा ने बताया कि म.प्र.जन अभियान परिषद के माध्यम से संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पर्यावरण एवं जनमानस की सेवा के लिए यह अभिनव पहल है ऐसे कार्य हम निरंतर करते रहे आज आप सभी गौशाला आए और गौमाता की सेवा की है यह बहुत ही सराहनीय एवं नेक कार्य है आपकी संस्था निरंतर अच्छे काम कर रही है । संस्था अध्यक्ष समाजसेवी श्री चंद्रकांत विश्वकर्मा द्वारा बताया गया है कि नर्सरी में तैयार कई तरह के पौधे इस वर्ष में गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति को भी वितरण किया जाएगा। और उन्हीं पौधों का एक नवांकुर वन भी लगाया जाएगा। हम सभी का दायित्व है कि आप हम सब मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करेंगे। इस अवसर प्रस्फुटन पर समिति अध्यक्ष श्री सतीश मालवीय,वृंदावन वर्मा एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पीएम कालेज आफ़ एक्सीलेन्स के ईको क्लब द्वारा किया गया पौधारोपण

छिन्दवाडा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ. वाय.के शर्मा के संरक्षण में व इको क्लब प्रभारी डॉ रितु शर्मा के मार्ग दर्शन में महाविद्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड मां के नाम 2.0 के अंतरगत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों द्वारा गुलमोहर,अमलतास, सप्तऋषि, जाम,गुलहड आदि के पेड़ लगाए गए । इस अवसर पर इको क्लब के सक्रिय सदस्य विशाल सलामे ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 5 जून से पुनः एक पेड़ माँ के नाम 2.0 योजना का शुभारंभ किया गया है जिसमें इस सत्र भर पृथ्वी को सुन्दर व हरा भरा युक्त बनाने के लिए पौधारोपण किया जाएगा महाविद्यालय ईको क्लब इकाई द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत छात्रों द्वारा बढ़-चढ़ कर पौधारोपण कर इसके संरक्षण का संकल्प लिया गया इस अवसर पर इको क्लब के सक्रिय सदस्य विशाल सलामे, संकल्प विश्वकर्मा, भूमिका धुर्वे, अमित कुमार, विशाल वाडीवा, दिव्यानशु मालविया,राजनंदनी उइके, वृंदा डेहरिया, हिना खान आदि मौजूद रहे।

अब महिलाएं नहीं है किसी से कमः पारुल पांडेय

15 महिला खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

छिंदवाड़ा। जिला स्तरीय बैडमिंटन सीनियर जुनियर प्रतियोगिता का अंतिम चरण के मैचों का आयोजन ओलिंपिक स्टेडियम में किया जा रहा है जिसमें जिले भर के जुनियर व सीनियर महिला पुरुष खिलाड़ी भाग ले रहे है 8 जून को मुख्यतः तीसरे चक्र के मुकाबले कोयलांचल एवं छिंदवाड़ा नगर के खिलाड़ियों के मध्य खेले गए इस स्पर्धा में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो रहा है इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि श्रीमती पारुल विजय पांडे , श्रीमती मीतल जुनेजा , श्रीमती इति शर्मा , श्रीमती आयुषी पांडे , श्रीमती मीना ठवरे , श्रीमती अलका रघुवंशी , पूर्व राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी अनामिका मेहता व खेल प्रशिक्षक मेखिला सरवैया ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया साथ ही छिंदवाड़ा जिले की उत्कृष्ट व प्रतिभाशाली नवोदित 10 खिलाड़ी व 5 महिला प्रशिक्षकों को मेडल टीशर्ट प्रमाणपत्र व ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया ये खिलाड़ी इस प्रकार है वानी साहू , अक्षिता , पलक , मुदिता, पंखुड़ी , मिठास, बंदगी, आस्था , खुशी , लवीना व कोच महिमा यादव , इशिका विश्वकर्मा, निष्ठा डेहरिया, लक्ष्मी मार्को, संचारिका को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम में उपस्थित समस्त विशिष्ट अतिथियों ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए प्रशिक्षकों का आभार जताया श्रीमती पारुल पाण्डेय ने कहा कि छिंदवाड़ा में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है तथा यहां की महिला खिलाड़ी जिला स्तर , संभाग स्तर , व राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हम सभी को गौरांवित कर रही है श्रीमती पांडे ने खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन देते हुए उनको अपने खेल सुधार कर अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी स्पर्धा व कार्यक्रम का संचालन बैडमिंटन संघ के सचिव व कोच जावेद खान ने किया आभार प्रदर्शन स्पर्धा के मुख्य निर्णायक राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन अंपायर अक्षय मक्कड़ ने किया निर्णायक व प्रशिक्षक के रूप में राकेश चौरसिया, अक्षय मक्कड़ ,अतिकेश मेहता, रत्नेश दुबे, अक्षत शुक्ला,अश्वंत मार्को , पार्थ चौकसे , निकुंज डेहरिया, भाविक धुर्वे, भविष्य सूर्यवंशी, वैभव वाडिवा, कामरान, कामिल खान व नैतिक सिंगोतिया ने सहयोग किया स्पर्धा अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैंस ने बताया कि 9 जून को शाम 4 बजे से स्पर्धा के सेमी फाइनल व 10 जून को प्रतियोगिता के फाइनल मैच आयोजित किए जाएंगे इसी दिन मंगलवार को स्पर्धा का पुरस्कार वितरण समापन समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा।

नगर पालिका की सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे

शहर की स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन होगा ?

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के शहर अध्यक्ष नगरपालिका नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शहर परासिया की जनसंख्या लगभग 60 हजार की है जो नगर पालिका के आधे कर्मचारी एक महीने से हड़ताल पर परन्तु नपा. को उनकी मांगों एवं परेशानियों से कोई लेना-देना नहीं व उन्होंने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे है वार्डों में सफाई हो रही न झाड़ू लग रही न ही शहर के वार्डों से कचरा उठ रहा है और यह भी बताया गया नगर पालिका के ट्रेक्टर ट्राली टिप्पर सालों से खराब पड़े वही शहर में आमजनों के घरों में लगभग आधा महिना से ज्यादा हो जा रहा है घरों में कचरा जमा हो गया 15 दिनों के ऊपर हो जा रहे टिप्पर वाहन नहीं पहुंच रहे हैं वहीं शहर में मेन रोड के भी हफ्तों टीप्पर वाहन नहीं घूम पा रहें जिससे व्यापारियों के पास हफ्तों का कचरा जमा हो गया है परासिया शहर के व्यापारियों ने कहा की कचरा जमा होने से बहुत परेशानी हो रही है वहीं शहर एक टैंक्टर होने से शहर और वाडो में कचरा नहीं उठ पा रहा शहर में नालों की सफाई सालों से नहीं हुई शहर के साफ सफाई न होने से नाली नाले बदबू फैल रही है वहीं नालों में कचरे का जाम लगा हुआ है बरसात में पिछली बार जैसी घटना लोगों के घरों में पानी घुसकर नुकसान पहुंचा था इस वर्ष आशंका बनी हुई है नगरपालिका टैक्टर टिप्पर सहित अन्य वाहन और खराब पड़े हैं पूरे शहर का यही हाल तों कांग्रेसी पार्षदों ने जिससे पूनम कैथवास प्रतिभा सोनी सावित्री वर्मा रुक्मा बसोड नीलोफर खान प्रतिमा बैस ब्रजेश भालवी पूजा मरकाम विधायक प्रतिनिधि आशीष सिकन्दरपुरे पूर्व सांसद प्रतिनिधि अशोक शर्मा स्थित जल्द नहीं सुधरी तो जनआंदोलन होगा।

मोदी सरकार के ग्यारह साल की उपलब्धियां बताई

भाजपा राम मंदिर नगर मंडल 3 की बैठक

छिंदवाड़ा। भाजपा नगर मंडल तीन की बैठक संतोष साहू एकेडमी में आयोजित की गई।जिसमें मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर और भाजपा नेता पंकज पाटनी ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन करते हुए आवाहन किया कि जून माह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के ग्यारह वर्ष पूर्ण हो रहे है।

विकसित भारत का सपना देखने वाली और कार्यरूप में परिणत करने वाली सरकार के कामों को और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश का मस्तक गर्व से ऊंचा करने वाली हमारी सेना के पराक्रम को जन जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भाजपा सभी स्तर पर करने जा रही है। 9 जून प्रातः 9.30 बजे सांसद बंटी विवेक साहू के द्वारा जिला चिकित्सालय में जन औषधि केन्द्र से दवाई लेने वाले मरीजों का सम्मान किया जाएगा, मंडल स्तर पर 13 जून को विकसित भारत संकल्प सभा और शपथ, तथा 70 वर्ष से अधिक उम्र वालों का आयुष्मान कार्ड बनवाना, शक्ति केंद्रों पर चौपाल लगाकर विकसित भारत संकल्प शपथ, 5 जून से 15 अगस्त तक पर्यावरण वृक्षारोपण अभियान, 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी 23 जून बलिदान दिवस एवं 6 जुलाई को जन्म जयंती, 25 जून को आपातकाल लोकतंत्र हत्या दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, सभी को इन को सफल बनाने के लिए कार्य करना है। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में आयोजन हेतु, समितियों का गठन किया गया। बैठक को श्री रत्नाकर आवारे, पंकज शुक्ला, मोरेश्वर हिवसे, गजेन्द्र बारस्कर, संतोष साहू , शरद बैंडे ने भी संबोधित किया। बैठक में वंदना विश्वकर्मा, सुनील परतेटी, त्रिलोक राउत, बबलू पराते, मयूर पटेल, मनीष गुप्ता, मोहित बुनकर, ऋषभ ताम्रकार, रवि मालवी, शरद टोपीवाला, आलोक साहू निकुंज साहू, आशीष गुप्ता, मनमोहन चांडक, संदीप माहौरे, यश गुप्ता, राजू चौकसे, राजा गढ़वाल, विशाल गढ़ेवाल, आशुतोष गुप्ता, राजू पावर, अशोक साहू, मंगेश कपाले, राजेश चौरे, योगेश दास, अमन मापवी, शुभम राय, मनीष बनाईट, चंद्रप्रकाश ठाकुर, पवन हेड़ाऊ, प्रवीण साहू, यशवंत पटेल, आशीष साहू, चेतन सोनी, अनिल सोनी, सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डबल इंजन की सरकार किसानों को बीज तो उपलब्ध करा दो: कैलाश परमार

आष्टा। खेती को लाभ का धंधा बनाना है भाजपा के नेताओं का यह बयान अभी तक जुमला ही साबित हुआ है। केंद्र और प्रदेश की कथित डबल इंजिन की सरकारें सबसे अधिक उपेक्षा कृषि और किसानों से जुड़े मामलों में कर रही हैं।

इस बाबत केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिख कर अवगत भी कराया गया था। इसके बावजूद अनिश्चित मौसम की मार झेल रहे किसानों को समय पर सभी फसलों के प्रमाणित बीज उपलब्ध नही हो पा रहे हैं । प्रमाणित बीजों को उपलब्ध कराने के लिए शासकीय स्तर पर भी समुचित प्रबन्ध नही किये गए हैं। सरकार की इस लापरवाही के चलते पूरे प्रदेश में किसानों को मंहगे दामों पर अप्रमाणित बीज खरीदने पड़ रहे हैं। यह बीज फसल के लिए कितने मुफीद हैं और इनसे किसानों की फसल होगी भी या नही यह भविष्य के गर्भ में है। लेकिन प्रमाणित बीज की उपलब्धता के बारे में सरकार की नीति विहीनता और पारदर्शी वितरण प्रणाली के अभाव में खेतिहर किसानों और मजदूरों की फसल और उम्मीदों पर संशय के बादल छा गए हैं।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारिणी सदस्य तथा पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में भारतीय बीज निगम किसानों को भरपूर मात्रा में निर्धारित दुकानदारों और सहकारी संस्थाओं के माध्यम से उचित मूल्य पर बीज उपलब्ध करवाता था। भारतीय बीज निगम की प्रायोगिक इकाइयां समुचित मात्रा में किसानों को प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराती थी। देश प्रदेश में हरितक्रांति के सफल होने में भारतीय बीज निगम की सार्थक भूमिका रही है। दुर्भाग्य से भाजपा सरकार ने इसी बीज निगम को गौण करके निजीकरण को सहकारिता का जामा पहना कर किसानों के साथ छलावा ही किया है। कालांतर में सरकारों ने बीज के सम्बंध में लुंज पुंज नीति अपना कर सहकारी अधिनियमो से सम्बद्ध कर पंजीयत समितियों को बीज वितरण का काम सौंप दिया लेकिन इस तरीके से बीज की उपलब्धता कराने में पारदर्शिता का अभाव है। कोई भी यह बताने की स्थिति में नही है आगामी मानसूनी फसलों के लिये उपयुक्त बीज कब कहाँ किस दाम पर और कितनी मात्रा में मिल सकेगा।

इस अव्यवस्था का फायदा उठाने के लिए कुछ लोभी व्यापारियों का एक रैकेट किसानों को ठग रहा है । उन्नत और प्रमाणित बीज वितरण में सरकारी नियंत्रण नही होने से किसानों की परेशानी पर सरकार और कृषि मंत्रालय भी सजग नही दिखाई दे रहा। कैलाश परमार ने मांग की है कि अमानक बीज ऊंचे दाम पर बेचकर किसानों को ठग रहे कुछ लोभी व्यापारियों पर निगाह रख कर सख्ती की जानी चाहिए तथा किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराना चाहिए । इस समस्या का स्थायी निराकरण प्रमाणित बीज उत्पादन करने के लिए उन्नति शील किसानों को विश्वास में लेकर प्रमाणिक बीज बहुलता में उत्पादित करना चाहिए । अविलम्ब ठोस नीति बना कर उनकी अन्य समस्याओं का निराकरण भी तुरंत किया जाना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य कैलाश परमार ने इस सम्बंध में कृषि मंत्रालय तथा प्रदेश शासन को पत्र लिख कर अभी के अनिश्चित मौसम के मद्देनजर किसानों की बीज और बोहनी से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की मांग की है।

महिला सरपंच चप्पल लेकर उप सरपंच को मारने दौड़ी

मंडला। जनपद पंचायत बिछिया अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ककैया हमेशा ही सुर्खियों में बनी रहती है,क्योकि सरपंच और उपसरपंच की खींचतान से ग्राम पंचायत में कोई भी काम पूर्ण नही हो पा रहा है ऐसा कोई विभाग नही बचा होगा जहाँ इन दोनों ने एक दूसरे की शिकायत न दर्ज कराई हो। आपसी खींचतान के कारण ग्राम पंचायत की जनता भी अब इनसे त्रस्त हो चुकी है।हर दिन कोई न कोई नया विवाद इन दोनो की बीच होता ही रहता है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को नाइ की दुकान में बैठे उपसरपंच को महिला सरपंच अपने पति के साथ चप्पल लहराती हुई दुकान पर पहुंची जो वीडियो में स्पस्ट दिखाई दे रहा है आगे फिर वही कहानी एक एक ऑफिस ने सिकवा-शिकायत का दौर पुनः चालू हो गया।

मध्यभारत की पहली आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक अब जबलपुर में

छिंदवाडा। जबलपुर में मध्यभारत की पहली आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक का शुभारंभ जबलपुर में 8 जून को हुआ। रसल चौक, बराट रोड, समदड़िया होटल के समीप स्थित क्लिनिक में बच्चे, बड़े, वयस्क व बजुर्ग जिनको सुनने, बोलने में त्रुटि है, उन्हें सबसे एडवांस ट्रीटमेंट मिल सकेगा। वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि यह लैब अपनी खूबियों के चलते मध्यभारत की सबसे आधुनिक लैब कही जा सकती है। इसमें हमने कई सेक्शन्स रखें हैं, जिनमें श्रवण की जटिल से जटिल समस्याओं का निदान मिल सकेगा। वार्ता में अविनाश पवार, एमडी एंड सीईओ डब्ल्यू एस ऑडियोलॉजी, किशलय चक्रवर्ती, बिजनेस हेड सिग्निया, अक्षय गुप्ता असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट हिअर डॉट कॉम , मोहन स्वामी हेड ऑडियोलॉजिस्ट डबल्यू ऑडियोलॉजी, प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास डोरासला, ईएनटी सर्जन और प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट के साथ गेलाऊडेट यूनिवर्सिटी की फॉर्मर प्रोफेसर डॉ सनयोक्ता जायसवाल और वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लीनिक की एमडी डॉ सोनल मेहरा मौजूद रहीं।

सीईओ जिला पंचायत ने किया प्रधानमंत्री जनमन आवास का निरीक्षण

मंडला। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने मवई विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम इंद्री स्थित बैगा कॉलोनी में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूर्ण हो चुके आवासों के साथ-साथ अपूर्ण आवासों की भी विस्तृत जानकारी ली और निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कूमट ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्तापूर्ण सामग्रियों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेष बचे आवास निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत ने बैगा समुदाय के लोगों से आत्मीय चर्चा की।

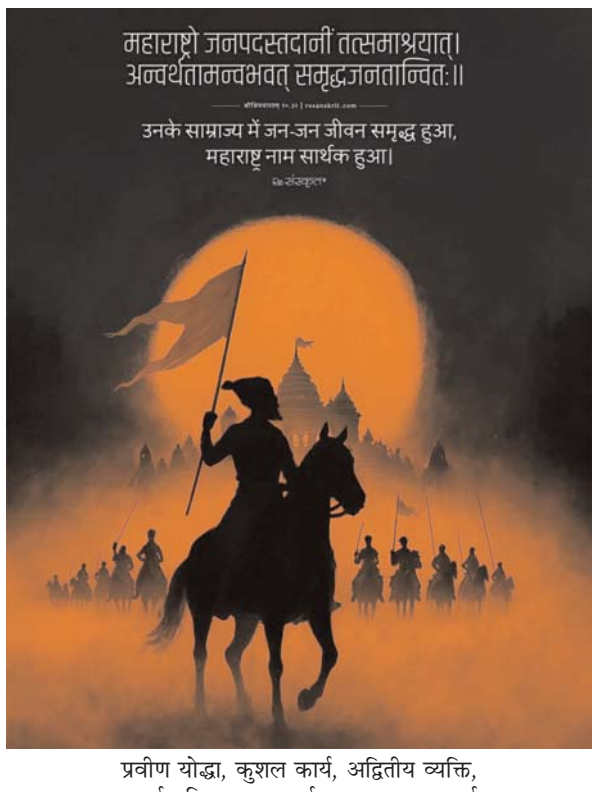

प्रवीण योद्धा, कुशल कार्य, अद्वितीय व्यक्ति,
मानव-धर्म प्रतिपालक, समर्थ गुरु रामदास सामर्थ्यवान
गांभीर्य-धनी शिष्य, जीजामाता कुलकीर्तिकारक,
युद्ध-नीति तकनीकी व्यूह-रचना महारथी,
हिंदवी मराठा साम्राज्य,महान प्रांजल योद्धा
महाराज छत्रपति शिवाजी द्वारा हिंदवी साम्राज्य की
स्थापना दिवस की आप सभी सादर
बधाइयां और शुभकामनाएं

खुल गया राजा की मौत का राज... 5 साल छोटे कर्मचारी राज से था सोनम का लव

सोनम और प्रेमी राज ने मिलकर साजिश रची, राजा की हत्या कर दी

भोपाल। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के बाद लापता उनकी पत्नी सोनम 17 दिन बाद यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिली। इसके बाद मेघालय डीजीपी आई नोंगरांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया। इंदौर की सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी और कर्मचारियों के साथ मिलकर पति राजा रघुवंशी की शिलांग में हत्या की साजिश रची। हत्या के बाद वह नेपाल भागने की फिराक में थी, लेकिन पुलिस ने उसे गाजीपुर में गिरफ्तार कर लिया। मामले में चार आरोपी पकड़े गए हैं। पुलिस की जांच पड़ताल और पूछताछ का सिलसिला जारी है। इंदौर की सोनम रघुवंशी और उनके पति राजा रघुवंशी के शिलांग में गायब होने की खबर ने सबको जितना चौंकाया था, उससे कहीं ज्यादा सोनम के मिलने और पति की हत्या की साजिश रचने के आरोप ने चौंकाया है। इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सोनम का अपने ही यहां काम करने वाले पांच साल छोटे कर्मचारी राज कुशवाह से प्रेम संबंध था। इसी प्रेम कहानी ने इस साजिश को जन्म दिया, जिसकी कीमत राजा रघुवंशी को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

सोनम रघुवंशी का प्लाईवुड का व्यापार है- सोनम रघुवंशी का प्लाईवुड का व्यापार है और राज कुशवाह उसी फर्म में बिलिंग का काम करता था। दोनों के बीच नज़दीकियां बढ़ीं और जल्द ही यह रिश्ता प्रेम प्रसंग में बदल गया। लेकिन इस प्यार में सबसे बड़ी रुकावट बना सोनम का पति राजा रघुवंशी। शादी के बाद भी सोनम का प्रेमी से रिश्ता जारी रहा। फिर एक दिन उन्होंने मिलकर एक खौफनाक प्लान बनाया, राजा को रास्ते से हटाने का। सोनम और राज ने मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची। राज ने अपने तीन दोस्तों विशाल सिंह, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत को भी इस योजना में शामिल किया। तीनों को पहले ही गुवाहाटी भेज दिया गया था, जहां से वे शिलांग पहुंचे। उन्होंने किराए पर बाइक ली और प्लान के अनुसार सोनम और राजा के पीछे-पीछे डबल डेकर एरिया तक पहुंच गए। वहीं सोनम ने राजा को अकेले उस इलाके में ले जाकर उसकी हत्या कर दी।

सोनम ऐसे चढ़ी पुलिस के हत्थे- हत्या के बाद सोनम फरार हो गई और एक हफ्ते से लगातार रात में सफर करके पुलिस से बचने की कोशिश कर रही थी। वह वाराणसी से गोरखपुर होते हुए नेपाल भागने की फिराक में थी। लेकिन पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और लोकेशन ट्रैकिंग की मदद से उसे गाजीपुर से दबोच लिया। पुलिस ने इस मामले में सोनम सहित चार लोगों राज कुशवाह, विशाल सिंह और आकाश राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पूरी साजिश का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस आरोपियों से और भी जानकारी जुटा रही है।

गाजीपुर के ढाबे पर बदहवास मिली सोनम - इंदौर की सोनम रघुवंशी को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गाजीपुर से पकड़ा। सोनम रघुवंशी गाजीपुर में एक ढाबे पर पुलिस को मिली। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शिलांग में हनीमून ट्रिप पर हुई राजा रघुवंशी की हत्या पत्नी सोनम ने ही कराई। तीन हत्यारोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किए गए। मेघालय के डीजीपी ने इसकी पुष्टि की है। मेघालय के मुख्यमंत्री ने भी एक्स पर जानकारी दी। सोनम अपने पति के साथ मेघालय के शिलांग में हनीमून मनाने गई थी, जहां उसके पति की हत्या कर दी गई थी। तभी से सोनम भी लापता हो गई थी। इसकी पुष्टि गाजीपुर के एडीशनल एसपी ज्ञानेंद्र प्रसाद ने की है। आज सुबह गाजीपुर पुलिस ने सोनम को होल्ड किया। इंदौर पुलिस को महिला के घर से की गई कॉल की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने गाजीपुर पुलिस से संपर्क किया। फिलहाल इंदौर पुलिस भी गाजीपुर पहुंच रही है।

ढाबे वाले ने कहा, सोनम रोती हुई आई - राजा रघुवंशी मर्डर केस में गाजीपुर के ढाबा मालिक का चौंकाने वाला बयान सामने आया है। उसने बताया कि रात लगभग 1 बजे सोनम रोती हुई आई। उसने कहा कि घर पर बात करनी है। हमने फोन दिया तो उसने किसी से बात की। फिर हमने पुलिस को बुलाया। वो अकेली थी। ढाबा मालिक के इस बदहवास हालत की वजह

पूछने पर सोनम ने बताया कि मेघालय में उसके व पति के साथ लूटपाट हुई थी। लुटेरों ने पति राजा की हत्या की थी। उसे गाजीपुर कुछ लोगों ने छोड़ा, लेकिन वह यहां पर कैसे पहुंची इसके बारे में उसे कुछ भी पता नहीं है।

गाजीपुर में पुलिस के सामने सरेंडर किया- मेघालय की डीजीपी आई नोंगरंग ने बताया कि राजा रघुवंशी हत्याकांड में पत्नी सोनम ने यूपी के गाजीपुर में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। वहीं तीन अन्य हमलावरों को देर रात गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को यूपी से गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को एसआईटी ने इंदौर से पकड़ा।

गाइड का दावा सच निकला- स्थानीय गाइड अल्बर्ट पैड का दावा सच निकला कि 23 मई को सुबह 10 बजे उन्होंने राजा और सोनम को तीन अन्य युवकों के साथ नोंग्रियात से मावलाखियात के रास्ते पर देखा था। अल्बर्ट ने बताया कि वह इंदौर के इस दंपती को पहचानते हैं, क्योंकि एक दिन पहले उन्होंने उन्हें ट्रेकिंग के लिए अपनी सेवाएं देने की पेशकश की थी। लेकिन, दंपती ने उन्हें मना कर दिया और किसी अन्य गाइड वानसाई को साथ लिया। अल्बर्ट ने यह भी बताया कि चारों युवक आगे चल रहे थे और सोनम उनके पीछे चल रही थी। वे सभी हिंदी में बात कर रहे थे। वे केवल खासी और अंग्रेजी जानते हैं, इसलिए बातचीत नहीं समझ सके। उन्होंने यह भी बताया कि चारों ने शिपारा होम स्टे में रात बिताई और बिना गाइड के लौट गए थे।

सोनम की बरामदगी को लेकर 2 तरह की बातें

पहली: गाजीपुर एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया, गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने नंदगंज के काशी ढाबा पर एक महिला को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। पुलिस पूछताछ में पुष्टि हुई कि यह वही सोनम रघुवंशी है, जो अपने पति राजा रघुवंशी के साथ शिलॉन्ग में लापता हुई थी। जिला अस्पताल में चेकअप के बाद सोनम को वन स्टॉप सेंटर में रखा है।

दूसरी: सोनम के पिता देवी सिंह ने बताया, रात करीब 2 बजे सोनम गाजीपुर के एक ढाबे पर पहुंची थी। यहां ढाबे वाले से कहकर भाई गोविंद को कॉल किया। गोविंद ने गाजीपुर से अपने परिचित को वहां भेजा। इसके बाद उन्होंने सोनम से फोन पर बात कराई।

तीन आरोपी हिरासत में, एक की तलाश - इंदौर में एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने मामले में मीडिया को जानकारी दी। उनके मुताबिक, राज कुशवाहा, विशाल चौहान और आकाश राजपूत को हिरासत में लिया है। आनंद फरार है। उन्होंने बताया कि मेघालय पुलिस ने इन सभी पर शक जताया था। आगे की जांच मेघालय पुलिस ही कर रही है। हम इसमें उनका पूरा सहयोग कर रहे हैं।

पिता ने कहा, सोनम ने भाई से मांगी मदद मांगी- सोनम के पिता देवीसिंह का कहना है कि रात करीब 2 बजे सोनम गाजीपुर के एक ढाबे पर पहुंची। उसने ढाबा संचालक से कहकर अपने भाई गोविंद को फोन कराया। इसके बाद गोविंद ने अपने एक परिचित को सोनम के पास भेजा और उनसे फोन पर बात कराई। गाजीपुर के एसपी डॉ ईरज राजा ने बताया कि सोनम को नंदगंज क्षेत्र के ढाबे पर अचेत अवस्था में पाया गया। यह मामला दूसरे राज्य से संबंधित है, इसलिए संबंधित राज्य की पुलिस के आने तक गाजीपुर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

राजा की मां: सोनम के शरीर पर एक भी खरोंच नहीं- राजा की मां उमा ने कहा- सोनम के मिलने की खबर मिली तो मुझे एकदम झटका लगा। जब मैंने सोनम को देखा, तो उसके शरीर पर एक भी खरोंच नहीं थी। अगर उसे किसी ने मारा या किडनैप किया होता, तो कुछ तो होता उसके साथ। मुझे बहुत बेचैनी होती है। रात को मैं अपने बेटे की फोटो के सामने बैठती हूं। मैं उससे कहती हूं, जिसने भी तेरे साथ गलत किया है, उसे ढूंढ के ला बेटा। मुझे ऐसा महसूस होता है कि वह मुझसे बात करता है। जब मैं दुखी होती हूं, तो वह भी दुखी होता है। मुझे उसका एहसास होता है।

राजा का भाई: सोनम ने सरेंडर नहीं किया- राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- मैंने सोनम के भाई गोविंद से रात करीब 2 बजे बात की थी। उसने मुझे बताया कि सोनम उत्तर प्रदेश में मिली है। इसके बाद गोविंद ने सोनम को वीडियो कॉल कर कंफर्म किया। फिर हमने यूपी पुलिस से संपर्क किया, तो सोनम को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया। उसने सरेंडर नहीं किया था। जब तक सोनम खुद इस मामले में कबूल नहीं करती, तब तक हम उसे आरोपी नहीं मानेंगे।

20 मई को शिलॉन्ग के लिए निकले थे राजा-सोनम- राजा और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को हुई थी। वे 20 मई को हनीमून के लिए शिलॉन्ग के लिए रवाना हुए। पहले उन्होंने गुवाहाटी में मां कामाख्या के दर्शन किए। यहां से 23 मई को मेघालय के शिलॉन्ग रवाना हुए। शुरुआत में परिवार की दोनों से बात होती रही, फिर संपर्क टूट गया। राजा के भाई विपिन ने बताया कि 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए तो चिंता होने लगी। मैं और सोनम के भाई गोविंद 25 मई को इंदौर से कार से भोपाल गए। वहां से फ्लाइट से दिल्ली और फिर गुवाहाटी पहुंचे। यहां से कार से शिलॉन्ग आए। फिर टैक्सी से सोरा गए। हमने वहां पहुंचते ही सर्चिंग शुरू कर दी। यहां मोपेड किराए पर देने वाला अनिल मिला। वह उस स्पॉट पर ले गया, जहां राजा की किराए की मोपेड मिली थी। इसके बाद उसी मोपेड से सोरा थाने पहुंचे। यहां 8 पुलिसवाले ही हैं। उनके पास हथियार भी नहीं। इनमें से एक ने भी हमारी बात नहीं सुनी। हमें नसीहत दी कि और ढूंढिए, मिल जाएंगे। हम अगले दिन सुबह से फिर उनकी तलाश में जुट गए। कुछ लोगों को फोटो दिखाए। पूछताछ करते-करते सोरा के होटल तक पहुंचे। होटल के मैनेजर ने बताया कि दोनों सुबह 5.30 बजे चेक आउट कर चले गए। हमें यहीं शक हुआ कि कोई कपल कहीं घूमने आया है और उसकी नई शादी हुई है, वह सुबह 5.30 कैसे चेकआउट कर सकता है।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था- इस मामले में मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था कि सोनम को वापस लाने के लिए वहां पर सेंट्रल फोर्स और एनडीआरएफ लगा हुआ है। सोनम को तलाशने की कोशिश की जा रही है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा था कि अगर ऐसा लगेगा की सीबीआई जांच की जरूरत है, तो हम मुख्यमंत्री से निवेदन करेंगे। सरकार की ओर से सीबीआई जांच की मांग की जाएगी। कुछ दिन और समय मांगा गया है। सांसद शंकर लालवानी भी वहां गए थे। उन्होंने भी बताया कि वहां पर अधिकारियों की ऐसी रुचि नहीं है, जैसी होना चाहिए। उनकी कार्यशैली हमसे अलग है, इसलिए कभी-कभी संतुष्टि नहीं होती। लेकिन सरकार मामले पर चिंतित है।

राजा- सोनम का पूरा मामला एक नजर में

- **11 मई** - मध्य प्रदेश के इंदौर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी और सोनम की शादी हुई।
- **20 मई** - राजा रघुवंशी पत्नी सोनम के साथ हनीमून के लिए मेघालय रवाना हो गए।
- **22 मई** - कपल ने सोहरा की यात्रा की और शिलांग में 4 दिन के लिए बाइक किराए पर ले ली।
- **22 मई** - राजा और सोनम ने मावलखैत गांव घूमा। इसके बाद गाइड के साथ दोनों नोंग्रियाट गांव के डबल डेकर पुल की तरफ चले गए।
- **23 मई** - नोंग्रियाट गांव के मुखिया ने पुलिस को गोल्डन पाइंस ढाबा के पास लावारिस बाइक मिलने की सूचना दी।
- **24 मई** - राजा रघुवंशी और सोनम का परिवार से कनेक्शन टूट गया।
- **27 मई** - परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दी, जिसके बाद एमपी के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गृह मंत्री अमित शाह से बात की।
- **27 मई** - राजा-सोनम की गुमशुदगी के बाद सियासी खेमा भी एक्टिव हो गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांगमा से फोन पर बात की।
- **27 मई** - मेघालय की पहाड़ियों में पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान बाइक से कुछ ही दूरी पर 2 लावारिस बैग खाई में पड़े मिले।
- **29 मई** - मेघालय में तेज बारिश के कारण पुलिस ने सर्च ऑपरेशन रोक दिया।
- **2 जून** - राजा रघुवंशी का शव गहरी खाई में पड़ा मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पत्नी सोनम अभी भी लापता थी।
- **3 जून** - राजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उसकी हत्या पेड़ काटने वाले हथियार से की गई है।
- **4 जून** - राजा रघुवंशी का शव इंदौर लाया गया।
- **5 जून** - शिलांग के होटल के रिसेप्शन से राजा और सोनम का सीसीटीवी फुटेज मिला।
- **7 जून** - शिलांग होटल के बाहर का सीसीटीवी फुटेज मिला, जिसमें राजा और सोनम को देखा गया था। पुलिस सोनम की तलाश कर रही थी।
- **9 जून** - यूपी के गाजीपुर में सोनम ने पुलिस के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया।